दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

मास महाराजा रवि तेजा की फिल्म इरुमुडी ...8

सिद्धार्थनगर
रविवार ,19 जुलाई 2026
वर्षः 13 अंक :217 पृष्ठः 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित ।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

असत्य, हिंसा मोदी सरकार के मूल सिद्धांत

सोनम वांगचुक को जंतर–मंतर से हटाने पर भड़के राहुल गांधी

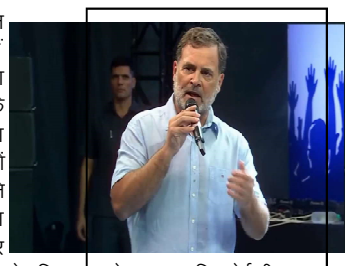

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को दिल्ली के जंतर–मंतर से हटाए जाने की आलोचना की, जहां वे भूख हड़ताल पर थे। उन्होंने केंद्र सरकार पर देश भर के छात्रों को प्रभावित करने वाले मुद्दों को उठाने वाली आवाजों को दबाने का आरोप लगाया। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार के मूल सिद्धांत असत्य और हिंसा हैं। गांधी ने कहा कि जब सोनम वांगचुक जी अहिंसक भूख हड़ताल पर थे, तब उन्हें जंतर–मंतर से हटाना गलत है। वांगचुक के विरोध को शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी व्यापक चिंताओं से जोड़ते हुए गांधी ने कहा कि पेपर लीक, शिक्षा की बढ़ती लागत और छात्रों की आत्महत्या भारत के भविष्य के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से हैं। अखबार

उन्होंने **#ChhatronKiGoonj** हैशटैग का इस्तेमाल करते हुए कहा कि कोई भी ताकत भारत के छात्रों को और हममें से उन लोगों को जो उनसे प्यार करते हैं और उनमें भरोसा रखते हैं। इन मुद्दों को उठाने से नहीं रोक सकती। यह बयान देहरादून में श्छात्रों की गूंजश रैली को गांधी के संबोधित करने के एक दिन बाद आया है, जहां उन्होंने भारत की शिक्षा और परीक्षा प्रणाली में बड़े सुधारों की मांग की थी। उन्होंने तर्क दिया था कि किसी भी राजनीतिक दल या संगठन का शिक्षण संस्थानों पर नियंत्रण नहीं होना चाहिए और बार–बार होने वाले पेपर लीक की समस्या से निपटने के लिए व्यापक राजनीतिक सहमति बनाने का आह्वान किया था। रैली में गांधी ने आरोप लगाया कि परीक्षा प्रश्नपत्र लीक होने से लगभग 75 लाख छात्र प्रभावित हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि यह समस्या कई हितधारकों से जुड़े भ्रष्ट तंत्र के कारण है, जिनमें कोचिंग सेंटर, परीक्षा केंद्र, प्रश्नपत्र तैयार करने वाले, परिवहनकर्ता, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) और केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय शामिल हैं। उन्होंने देश की परीक्षा प्रणाली में सुधार की वकालत करते हुए मौजूदा मॉडल को पुराना और छात्रों के बजाय परीक्षा पर अत्यधिक केंद्रित बताया।

अवैध फैक्ट्री में धमाके से दहला शहर, 8 की मौत और कई घायल

गुजरात के अहमदाबाद शहर में अवैध रूप से चल रही पटाखे की एक फैक्ट्री में हुए जबरदस्त धमाके में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, रामोल–गात्रद रोड पर स्थित फैक्ट्री में हुआ धमाका इतना जबरदस्त था कि इसकी आवाज पाँच किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। धमाके का असर बहुत ज्यादा था और अधिकारियों ने बताया कि घटनास्थल पर भारी नुकसान हुआ है। घायलों को इलाज के लिए पास के अस्पतालों में ले जाया गया। पीड़ितों में से चार को स्ळ अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि तीन अन्य को असरवा सिविल अस्पताल भेजा गया। बाकी घायलों की हालत के बारे में तुरंत कोई जानकारी नहीं मिल पाई। यह फैक्टरी वस्त्राळ में रैपिड एक्शन फोर्स (त्।थ्) कैंप के पीछे स्थित है। धमाके की आवाज सुनते ही कैंप में तैनात जवान तुरंत मौकद्ध पर पहुँचे और फायर ब्रिगेड की टीमों के आने से पहले ही बचाव कार्य शुरू कर दिया। उन्होंने घायलों को बाहर निकालने और मलबे में फँसे लोगों को बचाने में मदद की। मौकद्ध पर पाँच से ज्यादा फायर इंजन तैनात किए गए। फायरफाइटर्स ने आग पर काबू पाया और आग को दोबारा भड़कने से रोकने के लिए कूलिंग ऑपरेशन जारी रखा।

बचाव और राहत कार्यों की निगरानी करते वरिष्ठ अधिकारी

अहमदाबाद के मेयर हितेश बारोट, अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की फायर और इमरजेंसी सर्विस के वरिष्ठ अधिकारी और अन्य नागरिक अधिकारी बचाव और राहत कार्यों की निगरानी के लिए मौकद्ध पर पहुँचे।

बुलंदशहर से सीएम योगी की हुंकार

न कर्फ्यू, न दंगा, अब यूपी में सब चंगा

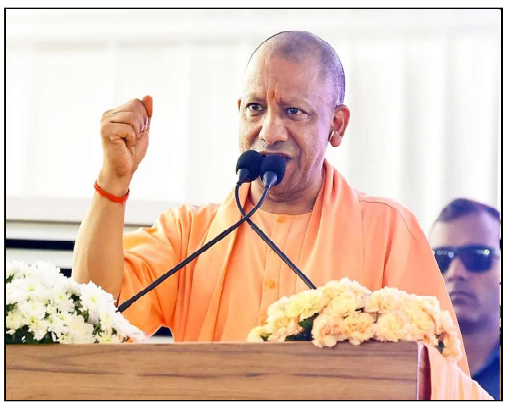

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गुलामी की मानसिकता को छोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सच्ची देशभक्ति सिर्फ अधिकारों के लिए नारे लगाने में नहीं, बल्कि अपने कर्तव्यों को पूरा करने में है। बुलंदशहर में एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लोग अक्सर अपने अधिकारों की मांग तो करते हैं, लेकिन ऐसी मांगें कभी भी देश, समाज या संस्थानों की कीमत पर नहीं होनी चाहिए। उनके अनुसार, एक अनुशासित शिक्षक जो समय पर शिक्षा पूरी करने के साथ–साथ अच्छे संस्कार भी देता है, वह नारों की तुलना में देश की कहीं अधिक सेवा करता है।

सशस्त्र बलों का जिक्र करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि देश को सबसे ऊपर रखना ही एक सैनिक की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश के हितों के खिलाफ कोई भी कदम मंजूर नहीं है और कहा कि निस्वार्थ सेवा और त्याग की भावना ही भारत की सुरक्षा की रक्षा करती है और देश को मजबूत बनाती है। योगी ने हुंकार भरते हुए कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में हर जिले में दंगा होता था, हर थाने में माफिया था, हर जिले में सिंडिकेट था, जो युवाओं के रोजगार को प्रभावित करता था। 2007 से 2017 तक प्रदेश की शुगर मिलों को बेचा गया। अब ऐसा नहीं है। आज प्रदेश में ना कर्फ्यू है ना दंगा है, अब सब चंगा है। इतिहास

मुख्यमंत्री ने 2017 से पहले के हालात की तुलना मौजूदा हालात से भी की। उन्होंने दावा किया कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में कोई भी जिला ऐसा नहीं था जो दंगों से मुक्त हो। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बेटियां और महिलाएं, खासकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में, सुरक्षित नहीं थीं। योगी के मुताबिक, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कई परिवारों को अपनी बेटियों को दूर के रिश्तेदारों के यहां रहने के लिए भेजना पड़ता था ताकि वे अपनी पढ़ाई जारी रख सकें। उन्होंने आगे दावा किया कि व्यापारी घर से निकलते समय यह सोचते थे कि क्या वे शाम तक अपने परिवारों के पास सुरक्षित लौट पाएंगे।

योगी ने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी के शासनकाल में हर जिले में माफिया का बोलबाला था और हर थाने में माफिया का कोई न कोई गुर्गा रंगदारी वसूलता था। उन्होंने दावा किया कि हर जिले में माफिया एक समानांतर सरकार की तरह काम करता था। हालात बदलने का दावा करते हुए योगी ने कहा कि अब उत्तर प्रदेश में कोई कर्फ्यू, दंगे या कानून–व्यवस्था की समस्या नहीं है। बुलंदशहर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जिले में सब कुछ ठीक है।

खड़गे का मोदी सरकार पर तीखा वार

जंतर–मंतर की घटना लोकतंत्र पर काला धब्बा

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 18 जुलाई को जंतर–मंतर पर क्लाइमेट एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की और सरकार पर असहमति जताने वालों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। ग पर एक पोस्ट में खड़गे ने कहा कि सरकार ने किसी को नहीं बख्शा है – चाहे वे किसान हों, छात्र हों, दलित हों, आदिवासी हों या जनहित के मुद्दों पर आवाज उठाने वाले प्रदर्शनकारी हों। उन्होंने कहा कि चाहे प्रो. जीडी अग्रवाल हों जिन्होंने माँ गंगा को बचाने के लिए 111 दिनों तक आमरण अनशन किया, या हरियाणा के ओलंपिक पहलवान हों, चाहे हमारे 750 किसान हों, दलित और आदिवासी हों, या पेपर लीक की भेंट चढ़े 25 बच्चे और उनके परिवार हों – इस जालिम सरकार ने किसी को नहीं बख्शा है।उन्होंने आगे कहा कि उनकी नजर में, जो कोई भी आवाज उठाता है, वह देश–विरोधी या परजीवी है!ष खड़गे ने जंतर–मंतर पर हुई घटनाओं को लोकतंत्र और संविधान पर एक और काला धब्बा बताया। खड़गे ने स्टूडेंट्स इको आंदोलन के बारे में भी बात की और कहा कि स्टूडेंट्स इको की गूंज कोटा और देहरादून से शुरू हो चुकी है... यह निश्चित रूप से दिल्ली तक पहुँचेगी। यह बयान तब आया जब दिल्ली पुलिस ने शनिवार सुबह वांगचुक को जंतर–मंतर पर चल रहे विरोध प्रदर्शन वाली जगह से सफदरजंग अस्पताल पहुँचाया। लंबी भूख हड़ताल के कारण उनकी सेहत को लेकर चिंताएँ थीं।

सफदरजंग अस्पताल की मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. चारू बांबा ने बताया कि वांगचुक की हालत स्थिर है, लेकिन उपवास के कारण उन्हें हल्की डिहाइड्रेशन और कमजोरी महसूस हो रही है। उन्होंने कहा कि सोनम वांगचुक सुबह करीब 7:40 बजे हमारे अस्पताल पहुँचे। लंबे समय तक उपवास के कारण वे थोड़े कमजोर हैं और उन्हें हल्की डिहाइड्रेशन हैय इसके अलावा, उनके सभी जरूरी स्वास्थ्य पैरामीटर स्थिर हैं। उनकी लगातार जाँच और निगरानी की जा रही है, और उनका इलाज चल रहा है। दिल्ली पुलिस ने पुष्टि की कि वांगचुक को दिल्ली हाई कोर्ट के निर्देशों और मेडिकल सलाह के आधार पर उनकी बिगड़ती सेहत को देखते हुए शिफ्ट किया गया था। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि इस कार्रवाई के दौरान पूरी सावधानी बरती गई।

केरल हाई कोर्ट का अहम फैसलाः 14 साल की दुष्कर्म पीड़िता को 28 हफ्ते के गर्भपात की इजाजत

कोच्चि। केरल हाई कोर्ट ने दुष्कर्म की शिकार 14 साल की लड़की को 28 हफ्ते के गर्भ को खत्म करने की इजाजत दे दी है। जस्टिस हरिशंकर वी मेनन ने कहा कि भले ही मेडिकल बोर्ड की राय थी कि अगर प्रेग्नेंसी का समय 34 हफ्ते के करीब हो तो भ्रूण में बीमारियों का खतरा कम होगा, लेकिन दुष्कर्म की शिकार लड़की के मामले में प्रेग्नेंसी से होने वाली मानसिक पीड़ा को भी ध्यान में रखना जरूरी है। कोर्ट ने कहा कि चूंकि पीड़िता 14 साल की है और प्रेग्नेंसी जारी नहीं रखना चाहती है, इसलिए इसे खत्म करने की अर्जी को मंजूरी दी जानी चाहिए।

भारत के पहले प्राइवेट रॉकेट विक्रम–1 ने श्रीहरिकोटा से भरी उड़ान

450 किमी की कक्षा में पेलोड तैनात करेगा

श्रीहरिकोटा। लॉन्चिंग आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से दोपहर 12:05 बजे की गई। हालांकि, इस कामयाबी से पहले कुछ पलों के लिए सांसें थम गई थीं। तय शेड्यूल के मुताबिक रॉकेट को सुबह 11:30 बजे उड़ान भरनी थी, लेकिन लॉन्चिंग से ठीक 5 मिनट पहले काउंटडाउन को अचानक रोकना पड़ा। कुछ देर तक होल्ड पर रखने के बाद काउंटडाउन दोबारा शुरू किया गया और विक्रम–1 ने आसमान की ओर रुख किया।

भारत का पहला निजी तौर पर विकसित ऑर्बिटल लॉन्च व्हीकलः विक्रम–1 भारत का पहला निजी तौर पर विकसित रॉकेट है जिसे उपग्रहों (सैटेलाइट्स) को अंतरिक्ष की कक्षा में स्थापित करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसका प्रक्षेपण (लॉन्च) देश के अंतरिक्ष अभियानों को सरकारी नेतृत्व से उद्योग (प्राइवेट सेक्टर) के नेतृत्व में ले जाने की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर है।

भारतीय स्पेस स्टार्टअप द्वारा अंतरिक्ष की कक्षा में पहुँचने का पहला प्रयासः मिशन आगमन स्काईरूट एयरोस्पेस की पहली ऑर्बिटल टेस्ट फ्लाइट (कक्षीय परीक्षण उड़ान) है। यह किसी भारतीय निजी कंपनी द्वारा अपने रॉकेट के साथ अंतरिक्ष की कक्षा में पहुँचने का पहला प्रयास है।

मंच पर रो पड़े अभिजीत दीपके, सोनम वांगचुक को हटाए जाने के बाद खुद भूख हड़ताल पर बैठे

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस द्वारा एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक को अस्पताल ले जाए जाने के कुछ ही समय बाद, कॉकरोच जनता पार्टी (ब्श्रच) के संस्थापक अभिजीत दिपके ने शनिवार (18 जुलाई, 2026) को घोषणा की कि वे अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर रहे हैं। मंच पर बैठे हुए दीपके अचानक भावुक हो गए और रो पड़े। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मैं अभी से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर रहा हूँ। मैं सभी से अपील करता हूं कि वे पीछे न हटें। यह आंदोलन और बड़ा होगा। उन्होंने बहुत बड़ी गलती की है। **पहले सरकार को बातचीत करनी चाहिएः** जब उनसे पूछा गया कि अगर सरकार बातचीत के लिए बुलाती है तो उनकी कौन–सी ऐसी मांगें होंगी जिन पर कोई समझौता नहीं हो सकता, तो दीपक ने कहा कि अभी तो सरकार बातचीत के लिए आगे ही नहीं आ रही है। उन्होंने कहा कि सरकार को पहले बातचीत शुरू करनी चाहिए, उसके बाद ही मांगों पर चर्चा हो सकती है। **धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा जवाबदेही तय करेगाः** इस आंदोलन की मुख्य मांगों में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा भी शामिल है। इस बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए दीपक ने कहा कि यह सिर्फ लोगों को बदलने का सवाल नहीं है, बल्कि जवाबदेही तय करने का सवाल है। उन्होंने कहा कि अगर किसी मंत्री को यह एहसास हो जाए कि परीक्षा में धांधली और छात्रों की आत्महत्या जैसी घटनाओं के लिए राजनीतिक जिम्मेदारी तय की जाएगी, तो भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए गंभीर प्रयास किए जाएंगे।

ऑपरेशन सिंदूर से दुनिया ने देखा भारत का दम

राजनाथ सिंह बोले– अब **Defense Production** में रचेंगे नया इतिहास

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की विश्व–स्तरीय रक्षा तैयारियों को साबित किया है। उन्होंने इसकी सफलता का श्रेय केंद्र सरकार द्वारा सेना के आधुनिकीकरण और देश में ही रक्षा उपकरणों के उत्पादन को लगातार बढ़ावा देने को दिया। नई दिल्ली में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, सिंह ने श्ऑपरेशन सिंदूरश को भारतीय सशस्त्र बलों की क्षमता और वीरता का प्रमाण बताया और कहा कि उन्होंने आतंकवादियों और उनके समर्थकों को मुंहतोड़ जवाब दिया। सिंह ने

कहा ऑपरेशन सिंदूर भारत की आधुनिक और बेहतरीन रक्षा तैयारियों का सबूत है। ये तैयारियाँ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की पिछले 12 सालों की लगातार कोशिशों से और बेहतर हुई हैं, जिसमें श्राष्ट्र पहले और सेना पहलेश की भावना को प्राथमिकता दी गई है। सिंह के अनुसार, इस ऑपरेशन के दौरान आकाश तीर एयर डिफेंस सिस्टम, आकाश मिसाइल सिस्टम और ब्रह्मोस मिसाइल जैसे स्वदेशी सिस्टम के साथ–साथ अन्य आधुनिक सैन्य उपकरणों को भी प्रभावी ढंग से तैनात किया गया था। रक्षा मंत्री ने कहा इस ऑपरेशन के दौरान आकाश तीर, आकाश मिसाइल सिस्टम और ब्रह्मोस जैसे एडवांस्ड सिस्टम के साथ–साथ कई अन्य अत्याधुनिक उपकरणोंका भी प्रभावी ढंग सेइस्तेमाल किया गया। यह पिछले 12 वर्षों में तैयार की गई नींव की वजह से संभव हुआ है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए सरकार की कोशिशों का जिक्र करते हुए सिंह ने कहा कि सशस्त्र बलों की ओर से जारी स्वदेशीकरण की पाँच सकारात्मक सूचियों में अब 509 रक्षा आइटम शामिल हैं जबकि रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की ओर से जारी पाँच अतिरिक्त सूचियों में 5,012 आइटम शामिल हैं। मंत्री ने कहा जैसे–जैसे हम एक आत्मनिर्भर और सशक्त रक्षा क्षेत्र बनाने की दिशा में दृढ़ संकल्प और व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ रहे हैं इस विजन को और गति देने के लिए जल्द ही एक और पॉजिटिव इंडिजनाइजेशन लिस्ट (स्वदेशीकरण की सकारात्मक सूची) जारी की जाएगी।

पीडीपी ने ठुकराया एनसी का न्योता, महबूबा बोलीं– स्टेटहुड नहीं, अनुच्छेद 370 बहाली मुख्य मुद्दा

श्रीनगर। पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा कि पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के लिए ऐसे विरोध प्रदर्शन में भाग लेना उचित नहीं होगा जिसका एकमात्र उद्देश्य राज्य की मांग हो। इसी के मद्देनजर उन्होंने जंतर–मंतर पर हो रहे विरोधा प्रदर्शन में शामिल होने के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस का निमंत्रण अस्वीकार कर दिया। मुफ्ती ने कहा कि एक ईमानदार और सार्थक राजनीतिक प्रक्रिया तभी शुरू हो सकती है जब मूलभूत मुद्दों का समाधान किया जाए। अनुच्छेद 370 को मुख्य मुद्दा बताते हुए, मुफ्ती ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला को लिखे पत्र में सर्वदलीय बैठक बुलाने का आह्वान किया, जिसमें पहले कदम के रूप में राजनीतिक कैदियों की रिहाई और जमात–ए–इस्लामी सहित सामाजिक–राजनीतिक संगठनों पर लगे प्रतिबंध को हटाने की मांग की जाए। मुफ्ती ने अब्दुल्ला

को लिखे अपने पत्र में कहा कि जम्मू–कश्मीर के लोगों की सम्मानजनक आकांक्षाओं को केवल राज्य का दर्जा (स्टेटहुड) बहाल करने की छोटी, संकीर्ण और नुकसानदेह मांग तक सीमित कर देना घोर अन्याय, गलत काम और सरासर विश्वासघात होगा। उन्होंने कहा कि सिर्फ राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए एकजुट होकर विरोध करना, जम्मू–कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करने के गैर–कानूनी कदम को सही ठहराने और उसे जायज बनाने जैसा होगा। इसे हमारे सामूहिक इतिहास के सबसे काले दिनकृ5 अगस्तकृके सीधे समर्थन के तौर पर भी देखा जा सकता है। मुफ्ती ने स्पेशल स्टेटस पर ध्यान दिए बिना राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को दिखावटी कदम बताया।

उन्होंने कहा कि यह आधी–अधूरी मांग न सिर्फ अनुच्छेद 370 को हाशिए पर धकेलने के BJP के बुरे नैरेटिव को दोहराती और उसे सही ठहराती है, बल्कि इससे 5 अगस्त, 2019 को चुपके से किए गए गैर–कानूनी और असंवैधानिक आत्मघाती कदम पर पर्दा पड़ने का भी खतरा है।

रातभर की मशक्कत से गंभीर मरीज की बची जान, मेडिकल कॉलेज की टीम ने किया सफल उपचार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय एवं संबद्ध चिकित्सालय के चिकित्सकों ने गंभीर हालत में भर्ती 35 वर्षीय महिला का रातभर लगातार इलाज कर उसकी जान बचाने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की। महिला को बेहोशी और गंभीर श्वसन विफलता की स्थिति में अस्पताल लाया गया था।

मेडिकल आईसीयू (एमआईसीयू) प्रभारी डॉ. पंकज सिंह ने तत्काल मरीज का इंट्यूबेशन कर वेंटिलेटर सपोर्ट पर लिया और गहन निगरानी शुरू कराई। आर्थिक रूप से कमजोर मरीज को मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. बी. एल. कन्नौजिया के मार्गदर्शन तथा उप–प्रधानाचार्य डॉ. अनिल यादव के सहयोग से सभी आवश्यक जांचें निःशुल्क कराई गईं। एचआरसीटी चेस्ट जांच में बाएं फेफड़े के एक हिस्से में गंभीर कोलैप्स मिलने पर देर रात ब्रोंकोस्कोपी करने का निर्णय लिया गया। वरिष्ठ पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. प्रवीण गौतम के नेतृत्व में सहायक आचार्य डॉ. राजन शुक्ला ने वेंटिलेटर पर ही सफलतापूर्वक ब्रोंकोस्कोपी कर मरीज को जीवनरक्षक उपचार प्रदान किया। इस दौरान मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. बी.एल. कन्नौजिया, एमआईसीयू प्रभारी डॉ. पंकज सिंह, नर्सिंग प्रभारी अभय सहित मेडिसिन एवं आईसीयू की पूरी टीम मौजूद रही। चिकित्सकों ने बताया कि समय पर लिए गए निर्णय, विभिन्न विभागों के बेहतर समन्वय और नर्सिंग स्टाफ की सतर्कता से मरीज की जान बचाई जा सकी। फिलहाल मरीज का उपचार और गहन निगरानी जारी है।

अमन फार्मास्यूटिकल पर तीन दिनों से छापेमारी,कोडीन सिरप सहित अन्य प्रतिबंधित दवाओं की जांच तेज

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद में नशीली दवाओं के अवैध कारोबार पर खाद्य

सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने बड़ी कार्रवाई शुरू की है। प्रमुख सचिव डॉक्टर रोशन जैकब के निर्देश पर बरियारपुरवा भट्ठा स्थित अमन फार्मास्यूटिकल कंपनी पर शनिवार दोपहर 12 बजे से लगातार तीसरे दिन छापेमारी चल रही है। पहले 3 जिलों के ड्रग इंस्पेक्टर जांच कर रहे थे। बड़े पैमाने पर कारोबार मिलने पर अब 6 जिलों के ड्रग इंस्पेक्टर लगाए गए हैं ताकि कार्रवाई जल्द पूरी हो। कार्रवाई का नेतृत्व गोण्डा के ड्रग इंस्पेक्टर सुमित वर्मा, बाराबंकी की रजिया बानो और अयोध्या के आलोक द्विवेदी कर रहे हैं। शुरुआती जांच में कंपनी का रजिस्टर्ड पता एक किराना स्टोर निकला। पुलिस ने अमन के भाई को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो 2 गोदामों का पता चला। वहां 36 घंटे से ज्यादा छापेमारी हुई। पूछताछ में 2 और गोदामों की जानकारी मिली। छापेमारी में कोडीन सिरप समेत भारी मात्रा में नशीली दवाएं बरामद हुई हैं। सभी दवाओं की सैंपलिंग और लिखा–पढ़ी की जा रही है। कंपनी का मालिक अमन अभी फरार है। ड्रग्स विभाग उसकी तलाश कर रहा है। अधिकारियों के मुताबिक इस पूरे मामले की सीधी रिपोर्ट प्रमुख सचिव डॉ. रोशन जैकब को भेजी जा रही है। ये छापेमारी शासन के निर्देश पर नशीली दवाओं के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए की जा रही है।

बारिश में दलदल बनी बड़हरा मुख्य सड़क, ग्रामीणों ने उठाई सीसी रोड निर्माण की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

रतनपुर/नौतनवा। नौतनवा ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम पंचायत बड़हरा टोला स्थित बड़हरा वर्मा चौराहे की मुख्य सड़क लगातार हो रही बारिश के कारण दलदल में तब्दील हो गई है। सड़क पर जगह–जगह गहरे गड्ढों में पानी भर जाने और कीचड़ फैलने से राहगीरों का आवागमन दूभर हो गया है।

ग्रामीणों ने सड़क की तत्काल मरम्मत कराकर सीसी रोड, इंटरलॉकिंग अथवा खड़ंजा निर्माण कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यह सड़क लंबे समय से जर्जर स्थिति में है। हल्की बारिश होते ही पूरी सड़क कीचड़ और जलभराव से भर जाती है, जिससे सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को उठानी पड़ रही है। आए दिन लोग फिसलकर चोटिल हो रहे हैं। जलभराव के कारण मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ गया है, जिससे संक्रामक बीमारियों का खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि आईएसओ प्रमाणित गांव की मुख्य सड़क की ऐसी बदहाल स्थिति से लोगों में नाराजगी है। डॉ. प्रभात कुमार, डॉ. प्रभुनाथ वर्मा, रघुवीर वर्मा, रामसेवक, त्रियुगीनाथ मिश्र, गोविंद वर्मा, जयप्रकाश, चिन्नीलाल समेत अन्य ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र स्थायी समाधान की मांग करते हुए सीसी रोड या इंटरलॉकिंग निर्माण कराने की अपील की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो बरसात के दौरान हालात और भी गंभीर हो जाएंगे। इस संबंध में ग्राम विकास अधिकारी तेजेन्द्र सिंह ने बताया कि ग्रामीणों की सूचना पर उन्होंने प्रधान प्रतिनिधि विजय मद्धेशिया के साथ मौके का निरीक्षण किया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही सड़क की समस्या का समाधान कर लोगों को टूटी सड़क और जलभराव से राहत दिलाई जाएगी।

भारत–नेपाल सीमा सुरक्षा को लेकर हाई लेवल बैठक, संयुक्त रणनीति पर बनी सहमति

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। भारत–नेपाल की खुली अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से शोहरतगढ़ क्षेत्र में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की पहल पर उच्चस्तरीय अंतर–एजेंसी समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में एसएसबी, नेपाल सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ), नेपाल पुलिस, उत्तर प्रदेश पुलिस और कस्टम विभाग के अधिकारियों ने भाग लेकर सीमा सुरक्षा को लेकर संयुक्त रणनीति तैयार की। कमांडेंट की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सीमा पार होने वाली तस्करी, अवैध आवाजाही, मादक पदार्थों की तस्करी, मानव तस्करी और अन्य आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय, खुफिया सूचनाओं के त्वरित आदान–प्रदान, संयुक्त गश्त और समय–समय पर समन्वय बैठकों के आयोजन पर विशेष जोर दिया। बैठक में इस बात पर सहमति बनी कि सीमा सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए सभी एजेंसियों का आपसी तालमेल और सतत सहयोग आवश्यक है। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल साझा कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया, ताकि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और कानून व्यवस्था कायम रखी जा सके। एसएसबी की ओर से अभिषेक कुमार सिंह, सहायक कमांडेंट तथा उपनिरीक्षक पंकज सिंह, खुनुवा चौकी प्रभारी सुरेश यादव सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। वहीं नेपाल एपीएफ, नेपाल पुलिस, उत्तर प्रदेश पुलिस की खुनवा सीमा चौकी और कस्टम विभाग के अधिकारियों ने भी बैठक में भाग लेकर अपने सुझाव एवं अनुभव साझा किए। बैठक के अंत में सभी अधिकारियों ने भारत–नेपाल सीमा पर शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भविष्य में भी संयुक्त गश्त, नियमित समन्वय, खुफिया सूचनाओं के आदान–प्रदान और आवश्यकतानुसार संयुक्त अभियान चलाने की प्रतिबद्धता दोहराई। इससे सीमा पार होने वाली अवैध गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाने में मदद मिलेगी।

पारिवारिक विवाद में युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, गांव में पसरा मातम

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। थाना खेसरहा क्षेत्र के ग्राम पूरनजोत के टोला विरापतजोत में शुक्रवार शाम

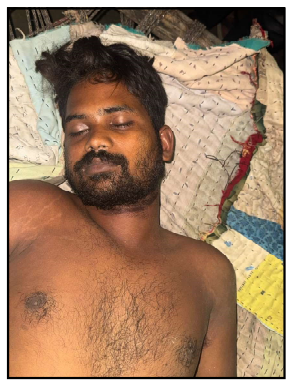

एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार, विरापतजोत निवासी राजेश (26) पुत्र रामवृक्ष ने अपने घर के कमरे में साड़ी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना शाम करीब छह बजे पुलिस को मिली। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी खेसरहा अनूप कुमार मिश्रा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू की। पुलिस की प्रारंभिक जांच में पारिवारिक विवाद के चलते आत्महत्या किए जाने की बात सामने आई है। मौके पर फील्ड यूनिट टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य संकलित किए। मृतक के पिता की ओर से दी गई सूचना के आधार पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद गांव में शांति व्यवस्था बनी हुई है। थाना प्रभारी अनूप कुमार मिश्रा ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।हेडलाइनरु पारिवारिक विवाद में युवक ने फांसी लगाकर दी जान, पुलिस जांच में जुटी

प्राथमिक विद्यालय के ऊपर से गुजर रही 11 केवी लाइन, बच्चों की सुरक्षा पर मंडरा रहा खतरा

दैनिक बुद्ध का संदेश शशांक मिश्रा

खेसरहा। विकास खंड खेसरहा की ग्राम पंचायत भगतपुरवा स्थित प्राथमिक विद्यालय के ऊपर से गुजर

रही 11 हजार वोल्ट (11 केवी) की हाईटेंशन विद्युत लाइन बच्चों और विद्यालय परिवार की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बनी हुई है। विद्यालय परिसर के ऊपर से गुजर रही इस लाइन को लेकर अभिभावकों, ग्रामीणों और शिक्षकों में लगातार चिंता बनी हुई है। विद्यालय में प्रतिदिन बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं पढ़ने आते हैं। ऐसे में तेज हवा, बारिश या अन्य किसी कारण से तार टूटने अथवा किसी तकनीकी खराबी की स्थिति में बड़ा हादसा होने की आशंका बनी रहती है। बरसात के मौसम में यह खतरा और बढ़ जाता है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक अरुण कुमार ने बताया कि इस समस्या को लेकर संबंधित विभाग से कई बार शिकायत की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और हाईटेंशन लाइन को विद्यालय परिसर से हटाने या सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने की आवश्यकता है। अभिभावकों रामकरन, उमाकांत, रागिनी और वंदना सहित अन्य ग्रामीणों ने भी चिंता जताते हुए कहा कि लंबे समय से लाइन हटाने की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने विभाग से जल्द समाधान कर बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। इस संबंध में खेसरहा विद्युत उपकेंद्र के अवर अभियंता शिवशंकर ने बताया कि विद्यालय के ऊपर से गुजर रही 11 केवी लाइन की जानकारी उन्हें मिली है। जल्द ही मौके का निरीक्षण कराया जाएगा। यदि सुरक्षा की दृष्टि से लाइन को स्थानांतरित करना या अन्य तकनीकी उपाय आवश्यक पाए गए, तो उच्चाधिकारियों को प्रस्ताव भेजकर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

पटहरा स्कूल भवन-प्रांगण पर हाईटेंशन लाइनः बच्चों की सुरक्षा पर मंडराया खतरा, एक सप्ताह में समाधान का आश्वासन

दैनिक बुद्ध का संदेश शशांक मिश्रा

खेसरहा। खेसरहा क्षेत्र के पटहरा स्थित प्राथमिक विद्यालय के भवन और परिसर के ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन विद्युत लाइन बच्चों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बनी हुई है। विद्यालय में प्रतिदिन बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं

पढ़ाई, खेलकूद, प्रार्थना सभा और अन्य गतिविधियों के लिए आते हैं। बरसात के मौसम में तेज हवा या तकनीकी खराबी के कारण तार टूटने अथवा नीचे झुकने की आशंका से अभिभावकों और ग्रामीणों में चिंता बढ़ गई है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक गुलाबचंद बिन्द ने बताया कि हाईटेंशन लाइन की समस्या को लेकर विभाग को कई बार अवगत कराया गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जल्द ही इसका स्थायी समाधान होगा। अभिभावक केसरी नंदन राम ने कहा कि बच्चे रोज स्कूल जाते हैं, लेकिन हर समय किसी दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। उन्होंने विभाग से शीघ्र कार्रवाई की मांग की। खेसरहा उपकेंद्र के अवर अभियंता शिव शंकर ने बताया कि छह गांवों में विद्युत लाइन शिफ्ट करने का प्रस्ताव है। इनमें से तीन गांवों का कार्य पूरा हो चुका है, जबकि शेष तीन गांवों में कार्य प्रगति पर है। उन्होंने आश्वासन दिया कि एक सप्ताह के भीतर कार्य पूरा कर लिया जाएगा, जिसके बाद विद्यालय के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन की समस्या का भी समाधान हो जाएगा। इस बीच स्थानीय लोगों और अभिभावकों ने मांग की है कि कार्य पूरा होने तक विद्यालय परिसर में बच्चों की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए जाएं, ताकि किसी भी संभावित हादसे से बचा जा सके।

सिद्धार्थनगर के खेसरहा में कम्युनिटी पुलिसिंग को मिली मजबूती, ग्रामीणों से किया गया संवाद

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। जनपद में कम्युनिटी पुलिसिंग को और का भरोसा दिलाया। गोष्ठी के दौरान पुलिस टीम ने वरिष्ठ

नागरिकों का हालचाल जाना तथा उनकी आवश्यकताओं की जानकारी ली। ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें वृद्धावस्था पेंशन का लाभ नियमित रूप से मिल रहा है और वर्तमान में किसी विशेष समस्या का सामना नहीं करना पड़ रहा है। अधिकारियों ने जरूरत पड़ने पर तत्काल पुलिस से संपर्क करने की सलाह दी। पुलिस ने उपस्थित ग्रामीणों को कम्युनिटी पुलिसिंग यूनिट (CPU) के संपर्क नंबर उपलब्ध कराए और बताया कि किसी भी आपात स्थिति, विवाद या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। अधिकारियों ने कहा कि कम्युनिटी पुलिसिंग का उद्देश्य पुलिस और जनता के बीच विश्वास को मजबूत करना है। उन्होंने ग्रामीणों से कानून–व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को देने की अपील की। कार्यक्रम में थाना प्रभारी अनुप कुमार मिश्र के नेतृत्व में उपनिरीक्षक वीरेंद्र सिंह, हेड कांस्टेबल राहुल सिंह सहित कम्युनिटी पुलिसिंग यूनिट के अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बताया कि ऐसे जनसंवाद कार्यक्रम आगे भी नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे, ताकि पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो सके। प्रभावी बनाने के उद्देश्य से खेसरहा पुलिस ने शनिवार को ग्राम कुनौना में जनसंवाद एवं गोष्ठी का आयोजन किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों, विशेषकर 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और हरसंभव सहयोग

NEET 2026 में उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी का परचम, दो छात्राओं ने MBBS में बनाई जगह

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्टता की नई मिसाल कायम

कर रही उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी, बस्ती ने एक बार फिर शानदार सफलता हासिल की है। विद्यालय की मेधावी छात्राओं हुडा खान एवं आरुषि श्रीवास्तव ने **NEET**–2026 परीक्षा उत्तीर्ण कर उठठै में प्रवेश सुनिश्चित किया है। इस उपलब्धि से विद्यालय परिसर में हर्ष और उत्साह का माहौल है। विद्यालय पिछले कई वर्षों से उत्कृष्ट शैक्षणिक परिणाम देकर विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। आधुनिक शिक्षण पद्धति, अनुभवी शिक्षकों का मार्गदर्शन, नियमित मूल्यांकन, अनुशासित वातावरण तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रति विद्यालय की प्रतिबद्धता ही इसकी सफलता का आधार मानी जाती है। यही कारण है कि विद्यालय के विद्यार्थी प्रत्येक वर्ष बोर्ड परीक्षाओं एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में उल्लेखनीय सफलता अर्जित कर रहे हैं। इस गौरवपूर्ण अवसर पर विद्यालय के प्रबंध निदेशक (**Managing Director**) श्री विनय शुक्ला ने दोनों छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता छात्राओं की कठिन मेहनत, शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन और अभिभावकों के विश्वास का परिणाम है। उन्होंने विश्वास जताया कि दोनों छात्राएँ भविष्य में कुशल चिकित्सक बनकर समाज की सेवा करेंगी और विद्यालय का नाम और ऊँचाइयों तक पहुँचाएँगी। विद्यालय की प्रधानाचार्या ने भी दोनों छात्राओं को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि छम्ज् जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों को भी बड़े लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेगी। विद्यालय के शिक्षक–शिक्षिकाओं ने दोनों छात्राओं की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि ढ़ संकल्प, नियमित अध्ययन और उचित मार्गदर्शन से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। वहीं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों ने भी दोनों सफल छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी भविष्य में भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासन और उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण के माध्यम से विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता के लिए प्रेरित करती रहेगी।

NEET–2026 में आर.सी.सी. पब्लिक स्कूल का शानदार प्रदर्शन, तीन छात्रों का एमबीबीएस के लिए चयन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (NEET)–2026 में आर.सी.सी. पब्लिक स्कूल, बस्ती के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। विद्यालय के तीन छात्रों ने सफलता हासिल कर एमबीबीएस में प्रवेश का मार्ग प्रशस्त किया है। विद्यालय के छात्र हर्ष मौर्या ने 621 अंक प्राप्त कर ऑल इंडिया रैंक 4953 हासिल की। वहीं अभय मिश्रा ने 569 अंक के साथ ऑल इंडिया रैंक 8989 तथा अनुराग वर्मा ने 569 अंक प्राप्त कर ऑल इंडिया रैंक 11574 अर्जित की। छात्रों की सफलता की सूचना मिलते ही विद्यालय परिसर में खुशी का माहौल छा गया। इस अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में विद्यालय के निदेशक शैलेश चौधरी और प्रधानाचार्य नवनीत

दीक्षित ने तीनों विद्यार्थियों को पुष्पगुच्छ व स्मृति–चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने छात्रों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। निदेशक शैलेश चौधरी ने कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की कठिन मेहनत, शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन और अभिभावकों के सतत सहयोग का परिणाम है। उन्होंने कहा कि विद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी पर विशेष ध्यान देता है। प्रधानाचार्य नवनीत दीक्षित ने कहा कि तीनों छात्रों की सफलता विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा है। उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में भी आर.सी.सी. पब्लिक स्कूल के विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय एवं जनपद का नाम रोशन करते रहेंगे। विद्यालय परिवार ने सफल विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को बधाई देते हुए उनके सफल चिकित्सा जीवन की शुभकामनाएँ दी हैं।

नौगढ़ तहसील समाधान दिवस में डीएम ने दिए तीन दिन में शिकायतों के निस्तारण के निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक माह के प्रथम एवं तीसरे शनिवार को सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस का आयोजन किया जाता है। तहसील नौगढ़ में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक डा. अभिषेक महाजन की उपस्थिति में तहसील समाधान दिवस के कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। तहसील नौगढ़ में आयोजित सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस के अवसर पर राजस्व, विकास, शिक्षा, पूर्ति एवं अन्य विभागों की शिकायतों की सुनवाई जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन., उपजिलाधिकारी नौगढ़ तथा पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों की सुनवाई पुलिस अधीक्षक डा. अभिषेक महाजन द्वारा की गई। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. ने तहसील समाधान दिवस में पिछले समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों की आख्या का अवलोकन किया। अवलोकन के पश्चात तत्काल जिला स्तरीय टीम बनाकर मौके की जांच कराने का निर्देश दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि भूमि से संबंधित विवादों का मौके पर जाकर निरीक्षण कर निस्तारण कराया जाए। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. ने सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस में उपस्थित सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि तहसील समाधान दिवस एवं आई.जी.आर.एस पर प्राप्त शिकायतों का समय से एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही शिकायतकर्ता एवं विपक्षी दोनों के समक्ष जांच कर कार्रवाई की जाए। जिलाधिकारी ने कानूनगो एवं लेखपालों को भूमि संपत्ति रजिस्टर एवं भूमि विवाद रजिस्टर अनिवार्य रूप से बनाने के निर्देश दिए। किसी भी विभाग का तहसील दिवस का कोई भी प्रकरण लंबित नहीं होना चाहिए। यदि कोई प्रकरण लंबित पाया जाएगा तो संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। लेखपाल एवं कानूनगो मौके पर जाकर शिकायत के निस्तारण से पूर्व निरीक्षण कर उसके बाद ही आख्या लगाएंगे। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस में कुल 38 प्रार्थना–पत्र प्राप्त हुए, जिनमें राजस्व के 30, पुलिस विभाग के 02, नगर पालिका के 03 तथा अन्य विभागों के 03 प्रार्थना–पत्र शामिल थे। राजस्व विभाग के 01 प्रार्थना–पत्र का मौके पर निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायतों का तीन दिवस के भीतर शत–प्रतिशत निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। तहसील दिवस के उपरांत जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन., पुलिस अधीक्षक डा. अभिषेक महाजन एवं डीएफओ नीला एम ने तहसील नौगढ़ परिसर में पौधरोपण किया। इस अवसर पर डीएफओ नीला एम, प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. प्रमोद कुमार, पीडी अनिल कुमार, डीसी मनरेगा संदीप सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक अरुण कुमार, तहसीलदार नौगढ़, तहसील क्षेत्र के समस्त थानाध्यक्ष, खंड विकास अधिकारी एवं अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

भारी बारिश के बाद डीएम ने किया जलभराव का निरीक्षण, अधिकारियों को दिए त्वरित जल निकासी के निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिले में हुई भारी बारिश के बाद नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर क्षेत्र में जलभराव की स्थिति का जायजा लेने के लिए जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने शनिवार को विभिन्न स्थानों का निरीक्षण किया। उन्होंने जलभराव से प्रभावित क्षेत्रों का मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वी–मार्ट के सामने तथा हाइडिल तिराहा क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद अजय कुमार सिंह को निर्देशित किया कि नालों की तत्काल सफाई कराकर जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त की जाए, ताकि लोगों को जलभराव की समस्या से राहत मिल सके। जिलाधिकारी ने कहा कि नगर के जिन क्षेत्रों में बारिश के कारण पानी जमा है, वहां प्राथमिकता के आधार पर जल निकासी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को नियमित निगरानी करने और जलभराव की समस्या का शीघ्र समाधान कराने के निर्देश भी दिए, जिससे आमजन को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। निरीक्षण के दौरान अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद अजय कुमार सिंह सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

जोगिया ब्लॉक में राप्ती तटबंध की बदहाल स्थिति, मरम्मत कार्य पर उठे सवाल

दैनिक बुद्ध का संदेश रवि जायसवाल

सिद्धार्थनगर। जोगिया विकासखंड के बैरवा नानकर से गायघाट के बीच राप्ती नदी के किनारे बने तटबंध की स्थिति बेहद जर्जर बताई जा रही है। तटबंध पर कई स्थानों पर रेन कट, रैट होल्स (चूहों के बिल) और फॉक्स होल्स के कारण कटाव एवं धंसान दिखाई दे रही है, जिससे बरसात के मौसम में खतरा बढ़ गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ड्रेनेज खंड द्वारा हर वर्ष तटबंध की मरम्मत के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किए जाने का दावा किया जाता है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। तटबंध की वर्तमान स्थिति देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि या तो मरम्मत कार्य ठीक से नहीं हुआ, या फिर केवल खानापूर्ति कर सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि तटबंध का तत्काल तकनीकी निरीक्षण कराया जाए, मरम्मत कार्य की निष्पक्ष जांच हो तथा यदि किसी प्रकार की अनियमितता सामने आती है तो दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही तटबंध की तत्काल मरम्मत कराई जाए, ताकि बरसात के दौरान संभावित बाढ़ और कटाव से आसपास के गांवों को सुरक्षित रखा जा सके।

विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारियों को लेकर भाजपा की बूथ अध्यक्ष सम्मेलन तैयारी बैठक सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। भारतीय जनता पार्टी, सिद्धार्थनगर के जिला अध्यक्ष दीपक मौर्य की अध्यक्षता में आज जिला कार्यालय पर आगामी विधानसभा चुनाव–2027 की तैयारियों के क्रम में 22 जुलाई को आयोजित होने वाले बूथ अध्यक्ष सम्मेलन की तैयारियों को लेकर महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिला प्रभारी हरिचरण कुशवाहा सहित जिले के सभी पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी तथा विधानसभा संयोजक उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रत्येक विधानसभा में एक साथ आयोजित होने वाले बूथ अध्यक्ष सम्मेलन की रूपरेखा, सभी बूथ अध्यक्षों की शत–प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने, कार्यक्रम स्थलों की व्यवस्था, संगठनात्मक समन्वय तथा अन्य आवश्यक तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। जिला अध्यक्ष दीपक मौर्य ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का संगठन बूथ स्तर तक मजबूत और सक्रिय है। आगामी विधानसभा चुनाव–2027 को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक कार्यकर्ता को संगठन द्वारा दिए गए दायित्वों का पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ निर्वहन करना होगा। उन्होंने कहा कि बूथ की मजबूती ही चुनावी सफलता का आधार है और बूथ अध्यक्ष सम्मेलन संगठन को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। बैठक में कार्यक्रम संयोजक फूलचंद जायसवाल, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष साधना चौधरी, क्षेत्रीय अध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा शिवनाथ चौधरी, जिला महामंत्री पवन मिश्रा, फतेह बहादुर सिंह, आशीष शुक्ला, विजयकांत चतुर्वेदी, अजय उपाध्याय, बजरंगी वर्मा, मधुसूदन अग्रहरि, पूनम जायसवाल, कृष्णा मिश्रा, अशोक अग्रहरि, उदयपाल वर्मा, सिद्धार्थ पाठक,रमेश मणि,पूर्व नगर अध्यक्ष अर्चिष्मान मिश्र, अनुराग श्रीवास्तव, प्रभात तिवारी ऋषभ त्रिपाठी , महेंद्र लोधी सहित जिले के सभी पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी एवं विधानसभा संयोजक उपस्थित रहे। बैठक के अंत में सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया गया कि वे आगामी 22 जुलाई को आयोजित बूथ अध्यक्ष सम्मेलन को सफल बनाने हेतु पूर्ण सक्रियता, समन्वय एवं संगठनात्मक भावना के साथ अपने–अपने दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित करें।

'सदर तहसील में समाधान दिवस आयोजित, फरियादियों की सुनी गई समस्याएं'

गोरखपुर। सदर तहसील परिसर में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में नवागत तहसीलदार सत्य प्रकाश गुप्ता की अध्यक्षता में जनसुनवाई की गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पहुंचे फरियादियों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। तहसीलदार ने एक–एक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। समाधान दिवस में कुल 119 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 15 मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष प्रकरणों को संबंधित विभागों को सौंपते हुए तय समय सीमा के भीतर समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। तहसीलदार ने कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और प्रत्येक शिकायत का निपटारा प्राथमिकता के आधार पर किया जाए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि फरियादियों को अनावश्यक रूप से इधर–उधर न भटकाया जाए और प्रत्येक विभाग अपने स्तर से शिकायतों का प्रभावी समाधान सुनिश्चित करे। साथ ही, लंबित मामलों की नियमित समीक्षा कर समय से उनका निस्तारण किया जाए, ताकि आमजन को राहत मिल सके।

इस दौरान नायब तहसीलदार आकांक्षा पासवान, नायब तहसीलदार दुर्गेश चौरसिया, नायब तहसीलदार जीवेंद्र त्रिपाठी, चकबंदी अधिकारी सुनील सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने अपने–अपने विभाग से संबंधित शिकायतों को सुनकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कराई।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महादेवाराय में महिलाओं को सुरक्षा और सरकारी योजनाओं की दी जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश सरकार के मिशन शक्ति फेज–5.0 (द्वितीय चरण) के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शनिवार को थाना उसका बाजार क्षेत्र के ग्राम महादेवाराय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं, महिला सुरक्षा और साइबर अपराध से बचाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्राधिकारी सदर विश्वजीत शौरयान और थाना प्रभारी संतोष कुमार तिवारी मौजूद रहे। पुलिस अधिकारियों ने महिलाओं को सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, रानी लक्ष्मीबाई बाल एवं महिला सम्मान कोष, नारी शक्ति वंदन अधिनियम, निराश्रित महिला पेंशन योजना तथा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना सहित अन्य योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही महिलाओं को उनके अधिकारों, आत्मनिर्भरता और सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान पुलिस टीम ने महिलाओं और बालिकाओं को साइबर अपराध से बचाव, सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग तथा ऑनलाइन ठगी से सतर्क रहने के उपाय भी बताए। आपातकालीन सहायता के लिए 112 पुलिस, 1090 वूमेन पावर हेल्पलाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 108/102 एम्बुलेंस सेवा और 101 अग्निशमन सेवा के बारे में भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में उप निरीक्षक जयप्रकाश पांडेय, हेड कांस्टेबल अनिल चौहान, महिला कांस्टेबल खुशबू सिंह, कालिंदी तथा विंदू यादव सहित पुलिस टीम के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। पुलिस अधिकारियों ने महिलाओं से किसी भी प्रकार की परेशानी या अपराध की स्थिति में बिना संकोच हेल्पलाइन नंबरों का उपयोग करने और तत्काल पुलिस से संपर्क करने की अपील की।

पुराने कलेक्ट्रेट की एनआईसी बिल्डिंग में गंदगी का अंबार'

'स्वच्छ भारत मिशन पर उठे सवाल, जिम्मेदार बने मूकदर्शक'

गोरखपुर। शहर के पुराने कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी (नेशनल इन्फॉर्मेटिक्स सेंटर) बिल्डिंग परिसर में इन दिनों गंदगी का अंबार लगा हुआ है, जिससे यहां आने वाले लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

परिसर में चारों ओर कूड़े के ढेर, प्लास्टिक, गुटखा–पान के दाग और फैली गंदगी न सिर्फ बदहाल व्यवस्था की तस्वीर पेश कर रही है, बल्कि स्वच्छ भारत मिशन की जमीनी हकीकत पर भी सवाल खड़े कर रही है। एनआईसी बिल्डिंग में रोजाना बड़ी संख्या में ग्रामीण और शहर के लोग विभिन्न सरकारी कार्यों के लिए पहुंचते हैं।

लेकिन परिसर में सफाई व्यवस्था की कमी के चलते हालात दिन–ब–दिन बदतर होते जा रहे हैं। कई स्थानों पर कूड़ेदान न होने या समय पर सफाई न होने के कारण लोग इधर–उधर कचरा फेंकने को मजबूर हैं। वहीं कुछ लोग भी लापरवाही दिखाते हुए परिसर को गंदा करने से बाज नहीं आ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि गांव से आने वाले कुछ ग्रामीण अनजाने में या लापरवाहीवश गंदगी फैला देते हैं, लेकिन इससे कहीं ज्यादा जिम्मेदारी वहां तैनात विभागीय कर्मचारियों और सफाई व्यवस्था संभालने वाले कर्मियों की बनती है।

आश्चर्य की बात यह है कि रोजाना सैकड़ों लोगों की आवाजाही के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। गंदगी के कारण परिसर में बदबू फैल रही है, जिससे लोगों को बैठने और अपने काम कराने में परेशानी होती है।

बरसात के मौसम में स्थिति और भी खराब हो जाती है, जब कूड़ा सड़ने लगता है और संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ जाता है।

यह हाल तब है जब शासन स्तर पर स्वच्छता को लेकर लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं और बड़े–बड़े दावे किए जा रहे हैं। स्थानीय नागरिकों और अधिवक्ताओं ने प्रशासन से मांग की है कि एनआईसी बिल्डिंग परिसर की नियमित साफ–सफाई सुनिश्चित की जाए, पर्याप्त कूड़ेदान लगाए जाएं और लोगों को भी जागरूक किया जाए। साथ ही लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए, ताकि परिसर को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाया जा सके।

पूर्वोत्तर रेलवे सूचना सं. 119/2026

श्रावणी मेला 2026 के लिए महत्वपूर्ण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रावणी मेला–2026 के दौरान यात्रियों को अतिरिक्त सुविधाएँ प्रदान करने के लिए, रपेशल (टीओडी) (टाइप टीओडी, सब टाइप ईएसवीएन) रेल गाड़ियाँ चलाई जाएगी। जिनकी समय सारणी नीचे दी गयी है।

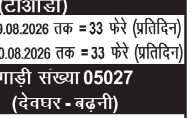

गाड़ी संख्या. 05028/05027 बढनी-देवघर-बढनी श्रावणी मेला अनारक्षित (टीओडी)

गाड़ी संख्या. 05028 : बढ़नी से दिनांक 28.07.2026 से 29.08.2026 तक = 33 फेरे (प्रतिदिन)
गाड़ी संख्या. 05027 : देवघर से दिनांक 29.07.2026 से 30.08.2026 तक = 33 फेरे (प्रतिदिन)

गाड़ी संख्या 05028 (बढ़नी - देवघर)			गाड़ी संख्या 05027 (देवघर - बढ़नी)	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	15.20	बढ़नी	15.15	--
16.08	16.10	शोहरतगढ़	14.00	14.02
16.27	16.29	सिद्धार्थनगर	13.35	13.40
16.52	16.54	आनंद नगर	12.40	12.45
17.40	17.50	गोरखपुर	11.45	11.50
18.45	18.47	कप्तान गंज	10.53	10.55
19.10	19.12	रामकोला	10.28	10.30
19.28	19.30	पडरोना	10.10	10.12
19.58	20.00	तमकुही रोड	09.40	09.42
20.30	21.00	थावे (आर)	08.25	09.10
21.20	21.22	गोपालगंज	08.04	08.06
22.07	22.09	दिघवा दुबौली	07.12	07.14
22.41	22.43	गशरख	06.38	06.40
23.08	23.10	मढ़ौरा	06.00	06.02
23.48	23.50	खैरा	05.20	05.22
00.45	00.47	दिघवारा	03.28	03.30
01.13	01.15	सोनपुर जं.	03.00	03.02
01.25	01.30	हाजीपुर जं.	02.45	02.50
01.55	01.57	देसरी	02.10	02.12
02.23	02.25	शाहपुर पटोरी	01.48	01.50
02.55	02.57	बछवारा जं.	01.15	01.17
03.35	03.45	बरौनी जं.	00.45	00.55
04.03	04.05	बेगूसराय	00.13	00.15
04.35	04.37	साहिबपुर कमाल	23.43	23.45
06.55	07.00	मुंगेर	23.15	23.20
08.20	08.25	सुल्तानगंज	21.25	21.30
08.55	09.05	भागलपुर	20.53	21.03
10.00	10.05	बाराहाट जं.	20.01	20.03
10.40	10.45	बांका	19.38	19.40
13.00	--	देवघर	--	18.45

रेक संरचनाः शयनयान श्रेणी–02, सामान्य द्वितीय श्रेणी–14, कुल = 16

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक, गोरखपुर
मुजाधि/टी–33

"ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें"

सम्पादकीय

इस दृष्टिकोण से हाइड्रोजन ट्रेन को लंबे समय के समाधान के बजाय एक रणनीतिक प्रदर्शन के तौर पर देखा जाना चाहिए। इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि भारत इसकी उत्पादन लागत किस हद तक कम करने में सफल हो पाता है। साथ ही नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमता का विस्तार करने तथा व्यावसायिक रूप से कामयाब हाइड्रोजन इकोसिस्टम बनाने में ...

ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने में चुनौतियां भी

देश की पहली हाइड्रोजन ऊर्जा से चलने वाली रेल की शुरुआत ने भारत में साफ–सुथरे और कम प्रदूषण वाले ट्रांसपोर्ट की ओर बदलाव की प्रक्रिया आरंभ कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुक्रवार को हरियाणा में हरी झंडी दिखाकर शुरू किया गया यह प्रोजेक्ट– 'मेक इन इंडिया' की सफलता के प्रतीक के तौर पर भी प्रस्तुत किया गया। दूसरे शब्दों में कहें तो यह पूरी दुनिया को संदेश देने का प्रयास ही है कि आज भारत पर्यावरण के अनुकूल परिवहन को प्राथमिकता देने के लिये प्रतिबद्ध है। यानी हम भी इस क्षेत्र के ग्लोबल लीडर्स में शामिल होने के आकांक्षी हैं। निश्चित रूप से हाइड्रोडन फ्यूल सेल से चलने वाली यह 10–कोच वाली ट्रेन, जिसमें सिर्फ पानी की भाप ही निकलती है, डीजल इंजनों का पर्यावरण अनुकूल विकल्प भी है। उल्लेखनीय है कि हरियाणा के जींद में स्वदेशी टेक्नोलॉजी और स्थानीय स्तर पर विकसित हाइड्रोजन इकोसिस्टम के साथ, यह प्रोजेक्ट एडवांस्ड इंजीनियरिंग में देश की बढ़ती क्षमताओं को भी दर्शाता है। वहीं दूसरी ओर यह प्रोजेक्ट देश के 'नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन' को भी संबल देने वाला है। जिसका उद्देश्य आयातित जीवाश्म ईंधन पर भारत की निर्भरता को कम करना तो है ही, साथ ही दीर्घकाल में देश के नेट–जीरो के लक्ष्यों को पूरा करने में सहयोग बढ़ाना भी है। सही मायने में देश में ग्रीन हाइड्रोजन का रणनीतिक महत्व जलवायु संबंधी चिंताओं से कहीं आगे बढ़कर है। हाल के दिनों में पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते अमेरिका व ईरान के संघर्ष से उपजे विषम हालातों ने ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की जरूरत को एकबार फिर से रेखांकित किया है। ऐसे में आयातित कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और औद्योगिक फीडस्टॉक पर भारत की भारी निर्भरता के कारण ऊर्जा सुरक्षा आज देश की राष्ट्रीय प्राथमिकता बन गई है। विशेष रूप से वैश्विक भू–राजनीतिक अस्थिरता के दौर में। आज के वैश्विक अशांति के समय में ऊर्जा सुरक्षा राष्ट्रीय संप्रभुता की संरक्षा के लिए अपरिहार्य शर्त बन गई है। इसमें दो राय नहीं हो सकती है कि मौजूदा दौर में हमें नवीकरणीय ऊर्जा की उपयोगिता को बढ़ावा देना होगा। इसी क्रम में देश में ही हाइड्रोजन का उत्पादन करने से हमें अस्थिर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है। वहीं दूसरी ओर इन सभी प्रयासों से देश की अर्थव्यवस्था को भी संबल मिलेगा। निस्संदेह, हाइड्रोजन ट्रेन को लेकर जो उत्साह देखा जा रहा है, वह स्वाभाविक ही है। लेकिन इससे जुड़ी हकीकत को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए हरित हाइड्रोजन की कीमत आम ग्रे हाइड्रोजन की कीमत से लगभग दोगुनी होती है। इसमें बिजली की अधिक लागत, महंगे इलेक्ट्रोलाइजर और लगातार पॉलिसी सपोर्ट की जरूरत, बड़े पैमाने पर इसके उपयोग को लेकर चुनौतियां पैदा कर सकती है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि देश में ब्रॉड–गेज रेलवे नेटवर्क का 95 फीसदी हिस्सा पहले ही बिजली से संचालित हो चुका है। हाल–फिलहाल इस बात की संभावना कम ही है कि हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन पूरे देश में इलेक्ट्रिक ट्रेनों की जगह ले लेंगी। इसके बजाय, हाइड्रोजन ऊर्जा से संचालित ट्रेनों का ज्यादा लाभ उन रूटों पर हो सकता है, जहां बिजली की लाइन बिछाना आर्थिक या तकनीकी रूप से कठिन होता है। इस दृष्टिकोण से हाइड्रोजन ट्रेन को लंबे समय के समाधान के बजाय एक रणनीतिक प्रदर्शन के तौर पर देखा जाना चाहिए। इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि भारत इसकी उत्पादन लागत किस हद तक कम करने में सफल हो पाता है। साथ ही नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमता का विस्तार करने तथा व्यावसायिक रूप से कामयाब हाइड्रोजन इकोसिस्टम बनाने में हम किस सीमा तक सफल होते हैं। इसके अलावा हमें कम लागत वाली अन्य नवीकरणीय ऊर्जा के नये स्रोतों को भी तलाशना होगा। जिसके लिये इन विकल्पों की व्यावहारिकता और आर्थिक लागत कम रखना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। हमारे प्रयास हों कि तकनीक व अन्य संसाधनों के मामले में 'मेक इन इंडिया' के लक्ष्यों की प्राथमिकता पर ध्यान दें।

अरे भाई! है किसी के पास सबूत भारतीय होने का

पता नहीं, कितने ही कवियों और शायरों ने कुछ–कुछ इसी टाइप से अपना परिचय दिया कि गंगा मेरी मां का नाम है, बाप का नाम हिमालय। लेकिन, अब आपको सबूत देना होगा कि आप भारतवासी हैं तो कैसे हैं, सबूत क्या है? देखो जी, यह तो पूछा ही जाता है कि भाई कौन हो, कहां के हो। पर फिर सबूत कोई नहीं मांगता। कवि शैलेंद्र ने तो सबूत मांगे जाने से पहले ही सबूत दे दिया था किकृ होठों पर सच्चाई रहती है, जहां दिल में सफाई रहती है, हम उस देश के वासी हैं, जिस देश में गंगा बहती है। फिर अपने भारत कुमार अर्थातृ मनोज कुमार ने भी पर्दे पर कुछ–कुछ यही दोहराते हुए कहाकृभारत का रहने वाला हूं, भारत की बात सुनाता हूं। पता नहीं, कितने ही कवियों और शायरों ने कुछ–कुछ इसी टाइप से अपना परिचय दिया कि गंगा मेरी मां का नाम है, बाप का नाम हिमालय। लेकिन, अब आपको सबूत देना होगा कि आप भारतवासी हैं तो कैसे हैं, सबूत क्या है? जी, यह मेरा आधार कार्ड है। मैंने बहुत भाग–दौड़ करके बनवाया है। लेकिन आधार कार्ड तो कोई सबूत नहीं है। आजकल बस में, रेल में और हवाई जहाज में यात्रा करने, कहीं धर्मशाला या होटल में ठहरने और बैंक की केवाईसी के अलावा यह कहां काम आता है। तो जी, फिर आपने यह हजारों–करोड़ रुपये खर्च करके इतना तामझाम क्यों खड़ा कर रखा है आधार का। वो छोड़ो। सबूत दो। जी, यह मेरे पास राशन कार्ड है। किस जमाने में रह रहे हो यार। इसे तो अब पहचान का दस्तावेज भी नहीं माना जाता। आजकल यह सिर्फ गरीबों के पास रह गया है और फ्री का राशन लेने के काम आता है। कहीं तुम लाभार्थी तो नहीं हो? खैर सबूत दो। जी यह मेरा ड्राइविंग लाइसेंस है। ड्राइविंग लाइसेंस! भैया यह सिर्फ गाड़ी चलाने के काम आता है। यह सबूत थोड़े ही है। जी, यह मेरा बिजली का बिल है। बिजली का बिल है तो जाकर भरो और मुझे सबूत दिखाओ। जी, सबूत ही दिखा रहा हूं। नहीं, यह सबूत नहीं है, यह सिर्फ बिल भरने के काम आता है। तुम्हारे यहां स्मार्ट मीटर तो है न। कहीं बिजली की चोरी तो नहीं कर रहे! अरे नहीं जनाब! खैर, सबूत क्या है। जी यह मेरे जमीन के, मकान के कागज हैं। क्या खुराना के ऑफिस से आए हो। जी, कौन खुराना? अरे वही, खोसला का घोसलावाला, जो जमीन–जायदाद के फर्जी कागज बनाता था। जी, यह फर्जी नहीं है। इसका क्या सबूत है। देखो सबूत दिखाओ यार। जी यह मेरा पार्सपोर्ट है। पासपोर्ट? अरे भैया यह सिर्फ यात्रा का दस्तावेज है। अदालत का फैसला सुना नहीं क्या तुमने? इसे हटाओ यहां से और सबूत दो। जी यह मेरा मतदाता पहचान–पत्र है। अरे सारा पंगा तो इसी का है। यह मान्य नहीं, नया बनवाओ। लाओ पिछले एसआईआर का रिकॉर्ड दिखाओ, क्या उसमें तुम्हारे माता–पिता का नाम था? चलो अपने माता–पिता का जन्म प्रमाणपत्र लाओ, अपना जन्म प्रमाणपत्र लाओ। सबूत ऐसे ही थोड़े मिल जाएगा। नहीं?

मैहर' राष्ट्रीय सांस्कृतिक विरासत सूची में

इस सोच के पीछे खड़ी राज्य सरकार की बांछें खिलनी ही थीं। मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड, सचिव डॉ. इलैयाराजा टी. इसे `पीढ़ियों से संजोकर रखी गई हमारी सांस्कृतिक प्रणालियों की बड़ी मान्यता' मानते हैं। संस्कृति मंत्री भी `चिंता अब खत्म हुई' वाले मोड में होंगे, कारण सत्ता की पहल के बाद ही तो सुध ली गई है। दो राय नहीं कि भारत भवन बनने के बाद प्रदेश में संस्कृति के विस्तार की जो व्यापक दृष्टि तत्कालीन सचिव,...

किसी महामारी के कारण मैहर में अनाथ बच्चों को देख दरबार के संगीतकार बाबा अल्लाउद्दीन खां का कलाकार मन विचलित हो उठा। तब उन्होंने उन यतीम बच्चों को संगीत सिखाना शुरू किया। प्रशिक्षण सफल होने लगा तो उत्साहित बाबा ने एक ऑर्केस्ट्रा बनाया, वही समूह आगे चलकर 'मैहर बैंड' के रूप में छा गया। देश में मॉनसून छाने के कुछ पहले आई यह खबर मन शीतल करने वाली है। समाचार है कि अब विश्वविख्यात 'मैहर बैंड' भारत सरकार की 'राष्ट्रीय अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची' में दर्ज हो गया है। यानी अब हम यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची से बस एक कदम पीछे हैं। यह उपलब्धि केवल मैहर या विंध्य क्षेत्र की नहीं, पूरे मध्यप्रदेश और भारतीय शास्त्रीय संगीत जगत के लिए उम्मीद लाई है। विस्तृत अर्थों में यह शास्त्रीय संगीत की उस सोच का सम्मान है, जिसमें दुर्लभता के प्रति नमन भाव बाहर आता है। निःसंदेह, इस बढ़त से भारतीय विरासत को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के देशीय प्रयासों में ऊर्जा आएगी, साथ ही उस दिशा को देखने वाले रास्ते भी चौड़े होंगे। उत्तर भारतीय रागदारी संगीत से जुड़ी यह खबर तब और सुखदाई है जब भारत की शास्त्रीय बिरादरी में दुर्लभता को लेकर एक प्रकार का ठण्डापन पसरा है। आज शहनाई, दिलरुबा, तार शहनाई, इसराज और सारंगी या पखावज के प्रति आयोजन–समाज के भीतर कितनी गर्मजोशी है, बताने की जरूरत नहीं। जान लें, 'मैहर बैंड' भारतीय वाद्य

यंत्रों का ऐसा समूह है, जिसमें कुछ वाद्य इस बैंड के साथ ही जन्में। अर्थातृ उनका पहले कोई अस्तित्व नहीं था। इस आर्केस्ट्रा के जनक सरोद वादक बाबा अल्लाउद्दीन खां थे। अपनी कल्पनाशीलता से जब उन्होंने वाद्य यंत्रों के समूह के माध्यम से रागदारी बजाने, सुनवाने की परिकल्पना की तो पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ कुछ नवाचार भी जोड़ा। यही नवाचार दुर्लभ बन गया जब देश ने देखा कि लौह, पीतल के कुछ साधारण से पाइप भी सुर निकास में बराबरी का योगदान दे रहे हैं! मध्यप्रदेश के ऐतिहासिक शहर से जुड़ी इस अनूठी शास्त्रीय परम्परा की कड़ी प्रसिद्ध 'मैहर घराना' से संबंधित है। एक समय सिमटा–सा कस्बा मैहर बाबा अल्लाउद्दीन खां की कर्मभूमि था। उन्हीं बरसों में बाबा ने सनृ 1918 में इसे साकार किया था। बैंड और मैहर शहर का गठजोड़ लेते दिया गया सुंदर परिचय 'मैहर बैंड' के अस्तित्व में आने की कहानी भी खासी मर्मस्पर्शी है। असल में किसी महामारी के कारण मैहर में एकाधिक अनाथ बच्चों को देख दरबार के संगीतकार बाबा अल्लाउद्दीन खां का कलाकार मन विचलित हो उठा। तब उन्होंने कुछ सोचते हुए उन यतीम बच्चों को संगीत सिखाना शुरू किया। प्रशिक्षण सफल होने लगा तो उत्साहित बाबा ने एक ऑर्केस्ट्रा बनाया, वही समूह आगे चलकर 'मैहर बैंड' के रूप में छा गया। राज दरबार के शासक राजकुमार ब्रजनाथ सिंह की हरी झंडी ने बाबा के इस रुझान को उठान दे दी, नतीजा पांचों वक्त के नमाजी और पहाड़ी पर विराजित मां शारदा के प्रतिदिन बिला नागा दर्शन करने जाने वाले बाबा का रचनात्मक मन सक्रिय हो उठा। मैहर बैंड की सबसे बड़ी विशेषता 'नलतरंग' वाद्य है, जिसे बंदूक की नलियों को स्वरबद्ध कर बनाया गया था – इसे दुनिया का एकमात्र ऐसा शास्त्रीय वाद्य माना जाता है। सितार, सरोद, वायलिन, चेलो, तबला जैसे वाद्यों का समन्वय इसकी पहचान है। बता दें कि 'संगना' यानी संगीत नाटक अकादमी भारत में यूनेस्को की नोडल एजेंसी के रूप में काम करती है। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के अधीन संगना ने ही मध्य प्रदेश की तीन विरासतों को इस महत्वपूर्ण दायरे में लिया है। प्रदेश पर्यटन मण्डल ने इसी वर्ष 8 जनवरी, सनृ 2026 को मैहर बैंड के अलावा अगरिया लौह परंपरा' और निमाड़ के जनपदीय भोजन को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की राष्ट्रीय सूची में शामिल कराने का प्रस्ताव अकादमी को भेजा था। अब इन तीनों विरासतों को यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल कराने के दावे को आधिकारिक रूप से बल मिला है। अब आगे क्या? तो इसी राष्ट्रीय सूची में से चयनित विरासतों का नामांकन प्रत्येक दो वर्ष में यूनेस्को भेजा जाता है। इस सोच के पीछे खड़ी राज्य सरकार की बांछें खिलनी ही थीं। मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड, सचिव डॉ. इलैयाराजा टी. इसे 'पीढ़ियों से संजोकर रखी गई हमारी सांस्कृतिक प्रणालियों की बड़ी मान्यता' मानते हैं। संस्कृति मंत्री भी 'चिंता अब खत्म हुई' वाले मोड में होंगे, कारण सत्ता की पहल के बाद ही तो सुध ली गई है। दो राय नहीं कि भारत भवन बनने के बाद प्रदेश में संस्कृति के विस्तार की जो व्यापक दृष्टि तत्कालीन सचिव, अशोक वाजपेई ने दी थी यह उसी का एक विलंबित विस्तार है। निःसंदेह, बाबा के पौत्र और उनकी अगली पीढ़ियों के लिए भी अब 'अपने पूर्वज' के इन साक्षातृ चिन्ह को संरक्षित करने की मंशा से मन में कोई कल्याणकारी स्वर बजा होगा।

लेखक कला समीक्षक हैं।

एकजुटता और सद्भाव के प्रतीक थे तेजा सिंह समुंदरी

{ मेरे वक्त का इतिहासनामा' में समुंदरी के बारे में रुचि राम साहनी लिखते हैं, `मेरे लिए पाठकों को प्रधान जी (सरदार समुंदरी) के शानदार व्यक्तित्व के बारे में शब्दों में बयां करना कठिन है–मुश्किलों के तूफान, हर तरफ से लगातार आ रही मांगों और अक्सर अमृतसर और शिमला में बैठे सर्वशक्तिमान अधिकारियों के कामों–योजनाओं के बारे में परेशान करने वाली खबरों के बीच भी उनका... }

तेजा सिंह समुंदरी अकाली आंदोलन के साहसी और लोकप्रिय नेता थे। उनका स्वभाव 'मुसीबतों के बीच भी शांत और स्थिर' रहता था। प्रो. रुचि राम साहनी की डायरियों के मुताबिक, उन्होंने साल 1922–23 में गुरु–का–बाग मोर्चे का नेतृत्व करते हुए अहिंसा और एकजुटता को बढ़ावा दिया। उन्हें समाज के हर वर्ग से समर्थन मिला। बहुत कम लोगों को ही सरदार तेजा सिंह समुंदरी जैसे महान राष्ट्रीय नेता का योगदान याद होगा। उनका निधन, 100 साल पहले, 17 जुलाई, 1926 को, 44 साल की उम्र में लाहौर किले में हुआ था। वहां उन्हें ब्रिटिश सरकार ने नाभा की राजगद्दी से हटाए गए महाराजा रिपुदमन सिंह को फिर से सत्तासीन करवाने को लेकर हुए आंदोलन में भाग लेने के कारण कैद कर रखा था। मुझे तेजा सिंह समुंदरी के बारे में पहली बार पता अपने परदादा, प्रोफेसर रुचि राम साहनी की अप्रकाशित डायरियों से चला। बहुत कम उम्र में ही, प्रोफेसर साहनी ने 'हिस्ट्री ऑफ माई ओन टाइम्स' (मेरे वक्त का इतिहासनामा) तैयार करने का फैसला किया था। उन्हें उम्मीद थी कि 'वे उस रोमांचक दौर की झलक– वह धुंधली ही क्यों न हो, जिसमें उन्हें जीने का सौभाग्य मिला था, उसे संजोकर, अपने पाठकों के लिए शब्दों में पिरो सकेंगे'। इनमें से एक अंक अकाली आंदोलन पर था। रुचि राम साहनी का अकाली आंदोलन से परिचय 1922–23 में गुरु–का–बाग मोर्चे से हुआ। यह सिखों का एक अहिंसक आंदोलन था। जो इसलिए शुरू हुआ कि गुरु–का–बाग गुरुद्वारे के पूर्व महंत ने एक पुरानी परंपरा पर आपत्ति जताई थी, जिसके तहत गुरु–के–लंगर के लिए जलाऊ लकड़ी गुरुद्वारे की जमीन पर उगे कीकर के पेड़ों से ली जाती थी। अगस्त 1922 में, अंग्रेजों ने महंत का साथ दिया और बिना इजाजत जमीन में घुसपैठ के आरोप में पांच सिखों को गिरफ्तार कर लिया। इसके जवाब में, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने हर दिन पांच सिखों को जलाऊ लकड़ी काटने के लिए भेजने का ऐलान किया। उन्हें रोजाना अंग्रेजों की मारपीट और उत्पीड़न का सामना करना पड़ता। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने अन्य भारतीयों से गुरु–का–बाग मोर्चे का चश्मदीद गवाह बनने की अपील की, जिसके बाद प्रेस ने इसमें काफी दिलचस्पी दिखाई। पंजाब प्रांत कांग्रेस कमेटी ने हालात का जायजा लेने के लिए रुचि राम साहनी और मियां फजल दीन को भेजा। साहनी ने जो देखा, उससे वे बहुत प्रभावित हुए व लिखा रू 'मैं स्वीकार करता हूं कि जब तक मैंने वह होते हुए अपनी आंखों से नहीं देख लिया, तब तक मुझे सिख शहीदों और उनके गुरुओं की उन गाथाओं पर पूरा यकीन नहीं था, जिनमें बताया जाता है कि उन्होंने न सिर्फ बिना डरे, बल्कि खुशी–खुशी और चेहरे पर मुस्कान के साथ अत्यंत क्रूरता का सामना किया क्योंकि उन्हें यकीन था कि अकाल पुरख उनसे ऐसी ही सेवा की उम्मीद करते हैं। मैं उस क्रूरता के बारे में अपनी आंखों देखी बताना चाहता हूं जो 'गुरु–का–बाग' में सैकड़ों लोगों ने रोजाना सही थीं। वे होंठों पर 'वाहे गुरु, वाहे गुरु जी' मंत्र जपते हुए ऐसे जुल्म से गुजरे, जिसके बारे में मैंने अपने समय में किसी और समुदाय के लोगों के साथ होते हुए नहीं सुना।' साहनी 'द ट्रिब्यून' के ट्रस्टी भी थे और उन्होंने अखबार से उन्हें अपना विशेष प्रतिनिधि बनाने के लिए कहा ताकि वे 'गुरु–का–बाग' में हो रही घटनाओं की रिपोर्टिंग कर सकें। वे रोज जत्थों के साथ जाते और एसजीपीसी के साथ पर्दे के पीछे रहकर काम भी करते थे। उनकी दी खबरें 'द ट्रिब्यून' में छपीं और बाद में गंडा सिंह द्वारा संपादित किताब 'स्ट्रगल फॉर रिफॉर्म ऑफ सिख श्राइन्स' का आधार बनीं।

इस किताब में साहनी ने जत्थों का जीवंत वर्णन किया है रू 'हर सुबह अकाल तखघ्त के सामने 'गुरु–का–बाग' मोर्चे के लिए जत्थों की रवानगी से पहले का नजारा प्रेरक होता था। सूरज उगते ही, जत्थे के सदस्य 'अमृत सरोवर' में डुबकी लगाने के बाद वहां इकट्ठा होते।' 'अकाल तखघ्त से प्रस्थान और पवित्र सरोवर की परिक्रमा से पहले, सिख धर्मग्रंथों से भजन गाते थे, कभी–कभी तो बहुत भावुक दृश्य देखने को मिलते।

कई बार, पत्नियां, बहनें, माताएं, यहां तक कि बूढ़ी दादी–नानियां भी यह प्रेरक समारोह देखने और अपने प्रियजनों को आशीर्वाद देने दूर–दूर से आतीं। जो एक पवित्र मिशन पर जा रहे थे, लेकिन उन्हें यकीन था कि दिन के अंत में वे उन्हें अपना मकसद पूरा कर वापस आते हुए देखेंगी, शायद गंभीर घायल और नीम बेहोश।' जत्थों का सामना बहुत ज्यादा क्रूरता से हुआ। रुचि राम साहनी को भी कई बार लाठियां खानी पड़ीं। लेकिन अकाली अपनी राह से नहीं डिगे और गुरुद्वारे की ओर बढ़ते रहते। मोर्चे की कमान एसपीजीसी के पास थी, जिसके अध्यक्ष तेजा सिंह समुंदरी थे। हालांकि, वे साहनी से लगभग 20 साल छोटे थे, फिर भी साहनी उनकी बहुत इज्जत करते थे रू 'समुंदरी की चीजों को समझने की क्षमता विलक्षण और सटीक थी। वे किसी भी बात के जरूरी पहलू तुरंत समझ लेते और उन्हें गैरजरूरी बातों से अलग कर देख सकते थे... गैरजरूरी बातों पर लचीला रुख अपनाने को तैयार रहते, लेकिन जिन बातों को वे जरूरी और बुनियादी मानते, उन पर अडिग रहते। वे जन्मजात नेता थेय मैंने उन महान दिनों में देखा कि कैसे वे मुश्किल हालात को तुरंत भांप लेते और इतनी तेजी से फैसला लेते कि हम में से कई लोग हैरान रह जाते थे।' '

मेरे वक्त का इतिहासनामा' में समुंदरी के बारे में रुचि राम साहनी लिखते हैं, 'मेरे लिए पाठकों को प्रधान जी (सरदार समुंदरी) के शानदार व्यक्तित्व के बारे में शब्दों में बयां करना कठिन है–मुश्किलों के तूफान, हर तरफ से लगातार आ रही मांगों और अक्सर अमृतसर और शिमला में बैठे सर्वशक्तिमान अधिकारियों के कामों–योजनाओं के बारे में परेशान करने वाली खबरों के बीच भी उनका शांत स्वभावय सूझ–बूझ और मुश्किल स्थिति में भी हंसमुख अंदाज–ऐसी बातें जो दूसरे नेताओं को हताश कर देंय यह सब और अन्य बहुत कुछ जो उनके व्यवहार में झलकता था, वह उनको देखने वाले हर किसी में उस व्यक्ति के प्रति अटूट भरोसा पैदा कर देता,

मर्दानगी की दवा लेंगे ट्रंप के सैनिक? खामनेई ने... युद्ध के बीच पेंटागन के ऐलान ने मचाई हलचल

ईरान के साथ लंबे वक्त से छिड़ी जंग के बीच अमेरिकी सेना का क्या हाल हो रहा है अब यह धीरे–धीरे पूरी दुनिया के सामने आ रहा है। दरअसल 1 मार्च 2026 को कुवैत के शोएब इंटरनेशनल बंदरगाह को ईरान ने निशाना बनाया था। हालांकि इससे पहले अमेरिकी सैनिकों ने अपनी सीनियर कमांड को यह जानकारी दी थी कि उनकी यह पोजीशन ईरान के निशाने पर आ सकती है। लेकिन उनकी इस चेतावनी के बावजूद भी अमेरिकी सीनियर कमांड ने इसे अनदेखा किया और आखिरकार वही हुआ जिसका इन सैनिकों को डर सता रहा था। ईरान के साथ लंबे खिसते टकराव की वजह से अमेरिकी सैनिक एक अभूतपूर्व मानसिक और शारीरिक दबाव से जूझ रहे हैं। जिसका सीधा असर उनकी सैन्य क्षमता पर पड़ रहा है। और इसी वजह से अमेरिकी रक्षा मंत्रालय को एक ऐसा कदम उठाना पड़ा है जो बेहद ही हैरान करने वाला है। पेंटागन के इस कदम से दुनिया भर में इस बात की चर्चा हो रही है कि क्या अमेरिकी सैनिकों की मददानगी ताकत कम हो रही है? दरअसल अमेरिका ने ईरान को झुकाने के लिए मिडिल ईस्ट में अपनी आध ी से ज्यादा फौज उतार दी। अमेरिका ने अपनी नेवी एयरफोर्स और ग्राउंड फोर्स को मिडिल ईस्ट में ईरान की घेराबंदी के लिए उतार दिया है। लेकिन इसी बीच अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेग्सेथ ने घोषणा की है कि अमेरिका के हर सैनिक को सालाना टेस्टोस्टरॉन की स्क्रीनिंग करानी होगी। बता दें कि टेस्टोस्टरॉन एक ऐसा हार्मोन होता है जो पुरुषों में पाया जाता है। यह हार्मोन पुरुषों में मददानगी और शारीरिक ताकत से लेकर स्टैमिना तक बढ़ाने का काम करता है।

द हिल के अनुसार, 30 साल और उससे ज़्यादा उम्र के सैनिकों के लिए टेस्टोस्टेरोन स्क्रीनिंग को सेना की समय–समय पर होने वाली हेल्थ जांच में शामिल किया जाएगा, जबकि 30 साल से कम उम्र के सैनिकों के पास अपनी मर्जी से यह टेस्ट करवाने का विकल्प होगा। एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो मैसेज में हेगसेथ ने कहा कि हालांकि हम अपने हथियार सिस्टम, प्लेटफॉर्म और साजो–सामान पर बहुत ज़्यादा निवेश करते हैं, लेकिन हमारा सबसे निर्णायक रणनीतिक फायदा हमेशा व्यक्तिगत सैनिक ही होगा। वीडियो घोषणा के साथ, हेगसेथ ने वीडियो को यह शीर्षक दिया हाई–टी डिपार्टमेंट ऑफ वॉर। उन्होंने कहा कि उस बढ़त को बनाए रखना हमारा पवित्र कर्तव्य है, इसलिए हमें आपकी परफॉर्मेंस, आपकी सहनशक्ति और आपकी लंबे समय की सेहत को बेहतर बनाने के नए तरीके लगातार खोजने होंगे। हेगसेथ ने कहा कि स्क्रीनिंग प्रोग्राम का मकसद यह पक्का करना है कि सैनिकों में ष्टेस्टोस्टेरोन का सही लेवल हो ताकि वे अपना बेस्ट प्रदर्शन कर सकें, क्योंकि यह एक स्थापित वैज्ञानिक तथ्य है कि उम्र बढ़ने के साथ टेस्टोस्टेरोन का लेवल अक्सर अपने–आप कम हो जाता है।

अमेरिका का टेस्टोस्टरॉन स्क्रीनिंग प्रोग्राम

यह स्क्रीनिंग प्रोग्राम अमेरिका के 30 साल या उससे ज्यादा उम्र के सैनिकों के लिए अनिवार्य होगा। हेक्सेथ का कहना है कि इस प्रोग्राम का मकसद अमेरिकी सैनिकों में टेस्टोस्टेरोन की कमी से निपटना है जो अमेरिकी सैनिकों की सेहत को नुकसान पहुंचा सकती है। इसको लेकर अमेरिकी रक्षा मंत्री हेगसेथ ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा कि विज्ञान में यह बात अच्छे से साबित हो चुकी है कि जैसे–जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, टेस्टोस्टरॉन का स्तर प्राकृतिक रूप से घटता है।

दरअसल पीट हेक्कसेथ का कहना है कि अमेरिकी सैनिकों के टेस्टोस्टरॉन लेवल की जांच के लिए एक सालाना हेल्थ असेसमेंट होगा जो सभी सैनिकों के लिए अनिवार्य होगा। इस स्क्रीनिंग में 30 साल या उससे अधिक उम्र के सैनिक स्वतः अपने आप शामिल हो जाएंगे और 30 साल से कम उम्र के सैनिक स्वैच्छिक रूप से टेस्टोस्टरॉन स्क्रीनिंग करा सकते हैं। हेक्सेथ का कहना है कि जिन सैनिकों का टेस्टोस्टरॉन लेवल कम पाया जाता है उन्हें टेस्टोस्टरॉन रिप्लेसमेंट थेरेपी यानी टीआरटी दी जाएगी। जिसके जरिए अमेरिकी सैनिकों को अतिरिक्त रूप से टेस्टोस्टरॉन हॉर्मोन दिया जाएगा। हालांकि ऐसा जबरन नहीं किया जाएगा। मेडिकल एक्सपर्ट्स के मुताबिक यह थेरेपी जेल, इंजेक्शन, स्किन पैचेस, मुंह द्वारा खाई जाने वाली टेबलेट के जरिए दी जा सकती है। हेक्सेथ का कहना है कि अगर किसी सैनिक का टेस्टोस्टरॉन लेवल तय मानक से नीचे चला जाता है तो उन्हें टीआरटी थेरेपी दी जाएगी।

चाबहार का इतना भयंकर बदला, ईरान ने 15 मिनट में 60 फाइटर जेट उड़ाए? हिल गए ट्रंप

अमेरिका और ईरान के बीच फिर से शुरू हुई जंग ने खतरनाक रूप अख्तियार कर लिया है। इस बार हमले इतने डेंजर हैं कि भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। कुछ घंटे पहले ईरान के कई ठिकानों को निशाना बनाते हुए अमेरिका ने स्ट्राइक की थी। इस हमले में भारत के निवेश वाले चाबहार पोर्ट के कंट्रोल टावर को तगड़ा नुकसान पहुंचा। जिसमें आठ लोगों की मौत हुई जबकि 20 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। लेकिन अब ईरान ने अमेरिका से ऐसा बदला लिया है कि जिसने ट्रंप को भी हिलाकर रख दिया है। पहली बार ईरान के रौद्र रूप को देखकर सब हैरान हैं। दरअसल हमलों का बदला लेते हुए ईरान ने अमेरिका के कई लड़ाकू विमानों को तबाह कर दिया है। वो फाइटर जेट्स जिन पर ट्रंप सबसे ज्यादा गुरूर करते थे। अब इन्हीं लड़ाकू विमानों को एक झटके में ही ईरान ने धुआधुआ करते हुए मिट्टी में मिला दिया है। ईरान ने दावा किया है कि उसने जॉर्डन

में खड़े हुए कई अमेरिकी सैन्य फाइटर जेट्स को बैलस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से निशाना बनाया है। जिसमें कई अमेरिकी रिफ्यूलिंग एयरक्राफ्ट और फाइटर जेट तबाह हो गए। इसके अलावा कई और को भी गंभीर नुकसान पहुंचा है। इस हमले में कई बैलेस्टिक मिसाइलों बड़ी संख्या में ड्रोंस का इस्तेमाल हुआ है। दरअसल ईरान ने यह हमला उन हमलों के जवाब में किया है जब अमेरिका ने ईरान के खिलाफ अपने हमलों को बढ़ाते हुए पुलों एनर्जी साइड्स को निशाना बनाया और साथ ही चाबहार पोर्ट पर एक टावर गिरा दिया। चाबहार पोर्ट भारत के लिए रणनीतिक रूप से अहम है। इस टावर को गिराने के लिए अमेरिका ने एक नहीं तीन–तीन बार हमले किए। चाबहार ईरान का वह इलाका है जहां भारत का तगड़ा निवेश है। यहां भारत 120 मिलियन डॉलर यानी कि लगभग निवेश कर चुका है। अमेरिका के इस हमले में भारत का निवेश भी प्रभावित हुआ है। अमेरिकी हमले में जो मेरिटाइम ट्रैफिक टावर गिरा है वह शाहिद टर्मिनल पर ही बना हुआ है। शाहिद टर्मिनल को भारत ने ही बनाया है। चाबहार पोर्ट को नुकसान पहुंचना इससे सीधे तौर पर पाकिस्तान और चीन को फायदा पहुंचने वाला है। क्योंकि भारत की ओर से खाली की गई जगह और पोर्ट के निष्क्रिय होने की स्थिति में ईरान पर प्रभाव रखने वाला चीन इस रणनीतिक क्षेत्र में अपने पैर पसार सकता है। इससे हिंद महासागर और मध्य पूर्व में भारत की सुरक्षा को भी चुनौती मिलेगी। दरअसल ईरान भी लगातार अमेरिका को सबक सिखा रहा है। हाल ही में ईरान ने मिडिल ईस्ट में अमेरिका के सहयोगी देशों पर मिसाइल हमले किए हैं जिसमें कतर भी शामिल है। हमलों में कुवैत में एक पावर और वाटर डिसलिनेशन प्लांट को भी नुकसान पहुंचा है।

रोहित शर्मा के संन्यास की अटकलों पर विराम, बीसीसीआई सेक्रेटरी ने कहा– लॉर्ड्स वनडे रोहित का आखिरी मैच नहीं

भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज बल्लेबाज और कप्तान रोहित शर्मा के इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की खबरों पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने पूरी तरह विराम लगा दिया है। बीसीसीआई सेक्रेटरी देवजीत सैकिया ने साफ तौर पर कहा है कि इंग्लैंड के खिलाफ रविवार को लॉर्ड्स में होने वाला तीसरा वनडे मैच रोहित शर्मा का आखिरी मैच नहीं होगा। उन्होंने मीडिया में चल रही सभी अटकलों को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि रोहित जब तक टीम के लिए उपयोगी हैं, तब तक देश के लिए खेलते रहेंगे। बीसीसीआई सेक्रेटरी देवजीत सैकिया ने च्ज से कहा, ष्मीडिया में रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। मैं साफ तौर पर कहना चाहता हूं कि ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है कि रोहित रविवार को लॉर्ड्स में अपना आखिरी मैच खेलेंगे। रोहित भारतीय वनडे टीम के रेगुलर सदस्य हैं और जब तक वह टीम की योजनाओं का हिस्सा रहेंगे, तब तक देश का प्रतिनिधित्व करते रहेंगे। दूसरे शब्दों में कहें तो, लॉर्ड्स वनडे उनका आखिरी मैच नहीं होगा।

भारत के बैटिंग कोच ने रोहित का समर्थन किया

रोहित की हालिया फॉर्म पर सवाल उठने के बावजूद, बैटिंग कोच सितांशु कोटक ने अनुभवी ओपनर का समर्थन करते हुए कहा कि सीरीज के आखिरी मैच से पहले उन पर कोई दबाव नहीं है। कोटक ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से कहा, ष्देखिए, मुझे नहीं लगता कि रोहित शर्मा जैसे बड़े खिलाड़ी पर किसी तरह का दबाव हो सकता है। वह इतने अच्छे खिलाड़ी हैं कि उन्हें ऐसा महसूस नहीं होगा। हां, शुरुआती दो मैचों में उन्हें रन नहीं मिले, लेकिन मुझे नहीं लगता कि इससे कोई फर्क पड़ता है। लेकिन आज भी ऐसा लग रहा था कि शायद वह अच्छी पारी खेलेंगे। पर कोई बात नहीं।ष

रोहित ने रिटायरमेंट के बारे में किसी को नहीं बताया है दक्षिण–एशियाईऔर प्रवासी

क्रिकइन्फो के मुताबिक, रोहित ने बीसीसीआई, नेशनल सिलेक्टर्स या भारतीय टीम मैनेजमेंट को अपने रिटायरमेंट के बारे में कोई फैसला नहीं बताया है। पिछले कुछ दिनों से उनके रिटायरमेंट की चर्चा जोरों पर है, खासकर उनकी मौजूदा खराब फॉर्म को देखते हुए, लेकिन किसी भी पक्ष की ओर से कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। इस बीच, भारत को सितंबर में श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज खेलनी है। उससे पहले, रोहित को लॉर्ड्स वनडे में अपनी काबिलियत साबित करनी होगी ताकि वह अपनी जगह पक्की कर सकें। वरना, उनके भविष्य को लेकर चल रही चर्चा शायद जल्द खत्म नहीं होगी।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, सिद्धार्थनगर
जनपद- सिद्धार्थनगर

अति अल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

सर्वसम्बन्धित को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2026–27 में नगर पालिका परिषद, सिद्धार्थनगर में राज्य सेक्टर के पेयजल हेतु व्यवस्था योजनान्तर्गत धनराशि से नगर पालिका सीमान्तर्गत कराये जाने वाले पम्प अधिष्ठापन/पाईप लाईन विस्तार कार्यों हेतु ई–निविदा प्रतिशत दर पर आमन्त्रित किया जाता है। निविदादाता एक या एक से अधिक कार्यों हेतु निविदा डाल सकता है। निविदा प्रपत्र आन लाइन उपलब्ध हैं, जो आनलाइन http://etender.up.nic.inपर ही डाउनलोड व अपलोड किया जायेगा, जिसका विवरण निम्नवत् है–

A	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा प्रकाशित की तिथि	20/07/2026
B	वेबसाइट पर ऑनलाइन निविदा डाउनलोड की तिथि	20/07/2026 अपराह्नः 11.00 बजे से
C	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा डालने की अन्तिम तिथि व समय	10/08/2026अपराह्नः04:00बजे तक।
D	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से तकनीकी निविदा खोलने की तिथि व समय	11/08/2026 प्रातः 11:00 बजे
E	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से वित्तीय निविदा खोलने की तिथि व समय	12/08/2026 प्रातः 11:00 बजे
F	ई–निविदा खोलने का स्थान	कार्यालय नगर पालिका परिषद, सिद्धार्थनगर।

उक्त निर्माण कार्य से सम्बन्धित अधिक जानकारी http://etender.up.nic.in पर पर उपलब्ध है तथा उक्त निविदा के बारे में कार्यालय नगर पालिका परिषद, सिद्धार्थनगर नोटिस बोर्ड पर चस्पा निविदा सूचना से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
सिद्धार्थनगर

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
सिद्धार्थनगर

पत्रांक :– 766/न०पा०परि०सि०नगर/2026–27 | दिनांक–18.07.2026

हरजीत सिंह ग्रेवाल बने राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के नए अध्यक्ष, केंद्र ने सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने हरजीत सिंह ग्रेवाल को तीन साल के कार्यकाल के लिए राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग (छब्ड) का अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस नियुक्ति की पुष्टि करते हुए एक आधिकारिक नियुक्ति पत्र जारी किया गया है। ग्रेवाल ने इकबाल सिंह लालपुरा की जगह ली है, जो पहले आयोग के अध्यक्ष

थे। केंद्र ने एस. मुनव्वरी बेगम को राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग का उपाध्यक्ष भी नियुक्त किया है, जबकि ग्लेन ई. सूजा टिकलो को आयोग का सदस्य नामित किया गया है। केंद्र सरकार ने उस वैधानिक निकाय के कामकाज को मजबूत करने के लिए ये नियुक्तियाँ की हैं, जो देश में अल्पसंख्यक समुदायों के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए जिम्मेदार है। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिसूचित अल्पसंख्यक समुदायों के लिए संवैधानिक और कानूनी सुरक्षा उपायों के कार्यान्वयन की निगरानी करता है और उनके कल्याण व विकास से जुड़े मुद्दों पर सरकार को सलाह देता है।

रूसी गोदामों पर यूक्रेन के भीषण ड्रोन हमलों में 7 की मौत

रूसी अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि रात भर रूस में हुए यूक्रेनी ड्रोन हमलों में सात लोगों की मौत हो गई और 51 अन्य घायल हो गए। इन हमलों में गोदामों, एक तेल सुविधा केंद्र और एक रिहायशी इमारत को निशाना बनाया गया, जबकि रूस का कहना है कि उसके एयर डिफेंस सिस्टम ने कई इलाकों में सैकड़ों ड्रोनों को मार गिराया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा कि लंबी दूरी के हमलों में ष्मॉस्को और ताम्बोव इलाकों में दो अहम लॉजिस्टिकल सुविधाओंष को निशाना बनाया गया। उन्होंने टेलीग्राम पर लिखा, हमलावर इन सुविधाओं का इस्तेमाल ड्रोन और नेविगेशन उपकरण बनाने के लिए प्रतिबंधित पुर्जों की सप्लाई के लिए करते थे।ष उन्होंने यह भी बताया कि एक तेल सुविधा केंद्र पर भी हमला हुआ। उन्होंने कहा कि यूक्रेनी स्पेशल ऑपरेशन्स ने आजोव सागर और कब्जे वाले इलाकों में मौजूद ठिकानों पर हमले किए।

रूसी अधिकारियों के अनुसार, रूस के सबसे बड़े ऑनलाइन रिटेलर श्वाइल्डबेरीजश के दो बड़े गोदामों पर रात में हमला हुआ। एक गोदाम यूक्रेन की सीमा से लगभग 360 किलोमीटर दूर ताम्बोव इलाके के कोटोल्स्क में था, और दूसरा मॉस्को से लगभग 50 किलोमीटर पूर्व में इलेक्ट्रोस्तल में था। ताम्बोव इलाके के गवर्नर येवगेनी पेरविशोव ने बताया कि कोटोल्स्क के गोदाम में नाइट शिफ्ट में काम करने वाले सात कर्मचारियों की मौत हो गई और 25 अन्य घायल हो गए। मॉस्को इलाके के गवर्नर आंद्रे वोरोब्योव ने बताया कि इलेक्ट्रोस्तल में 24 लोग घायल हुए। उन्होंने आगे बताया कि इलेक्ट्रोस्तल के उत्तर में स्थित नोगिंस्क में भी दो और लोग घायल हुए, जहाँ यूक्रेनी ड्रोन हमले के बाद एक ऑयल डिपो में आग लग गई थी। उन्होंने कहा कि एहतियात के तौर पर पास के एक मैटरनिटी हॉस्पिटल और एक रिहायशी इमारत को खाली कराया गया।

गवर्नर अलेक्जेंडर अवदेयेव ने बताया कि मॉस्को से लगभग 180 किलोमीटर पूर्व में व्लादिमीर में, एक यूक्रेनी ड्रोन ने रिहायशी इमारत को टक्कर मारी, जिससे थोड़ी देर के लिए आग लग गई। उन्होंने कहा कि इसमें कोई हताहत नहीं हुआ। रूसी रक्षा मंत्रालय ने बताया कि एयर डिफेंस सिस्टम ने रात भर में 19 रूसी क्षेत्रों के साथ–साथ क्रीमिया, अजोव सागर और काला सागर के ऊपर 379 यूक्रेनी ड्रोनों को रोका। रात भर हुए हमलों में ताम्बोव और मॉस्को इलाके में लोग हताहत हुए, गोदामों और तेल डिपो जैसी अहम जगहों को नुकसान पहुँचा और व्लादिमीर में एक रिहायशी इमारत में आग लग गईय वहीं, यूक्रेन ने कहा कि उसने रूसी सैन्य सप्लाई से जुड़ी सुविधाओं को निशाना बनाया।

अस्मी मौर्य ने नीट में लहराया परचम

जौनपुर। सिकरारा क्षेत्र के गाँव लाजी पार निवासी अस्मी मौर्य ने कक्षा 12 उत्तीर्ण करते ही नीट–यूजी (परीक्षा में शानदार सफलता हासिल की है। अस्मी ने 720 में से 602 अंक प्राप्त कर ऑल इंडिया रैंक 9475 और श्रेणी रैंक (कैटेगरी रैंक) 4189 हासिल की है, जिससे क्षेत्र का नाम रोशन हुआ है। अस्मी ने कक्षा 12 में भी 91.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर मेधावी होने का परिचय दिया था। वह अलॉफ्ट डेल स्कूल (की छात्रा रही हैं और नीट की तैयारी के लिए द मेंटर्स एकेडमी से जुड़ी रहीं।खास बात यह है कि अस्मी ने अपनी तैयारी के दौरान इंटरनेट और सोशल मीडिया से पूरी तरह दूरी बनाए रखी और केवल ऑफलाइन माध्यम से ही पढ़ाई कर यह सफलता अर्जित की।

चयनित प्रशिक्षकों को सौंपे नियुक्तिपत्र

जौनपुर। बेसिक शिक्षा विभाग के सभागार में लर्निंग बाय डूइंग योजना के अंतर्गत सेवा प्रदाता के माध्यम से चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी समीर ने चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं दीं। इस दौरान एनर्जी एंड एनवायरमेंट के 15, एग्रीकल्चर (कृषि) के 15 तथा होम एंड हेल्थ के 16 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी समीर ने बताया कि चयनित प्रशिक्षक जनपद के सभी विकासखंडों के चयनित दो–दो विद्यालयों एवं पीएम श्री विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि लर्निंग बाय डूइंग योजना का उद्देश्य बच्चों को व्यवहारिक, कौशल आधारित एवं रोजगारोन्मुखी शिक्षा से जोड़ना है, जिससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो सके। खंड शिक्षा अधिकारी रमेश चंद पटेल, खंड शिक्षा अधिकारी उदयभान कुशवाहा, डीसी शशिधर उपाध्याय तथा वरिष्ठ सहायक विंध्यवासिनी उपाध्याय सहित बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

हत्या के प्रयास में दो गिरफ्तार

जौनपुर। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के धर्मापुर गांव में जमीनी विवाद को लेकर चार लोगों को लाठी डंडे और धारदार हथियार से पीटकर घायल कर दिया था जिसमें एक का सिर फट गया था, पुलिस ने मामले में आठ लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास की धारा में प्राथमिकी दर्ज कर लिया था। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के संजय प्रताप मौर्य ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि गुरूवार की सुबह करीब 7 बजे गांव के ही राममिलन, रमेश, विशाल सिद्धार्थ सहित करीब आठ लोग उनके खेत मे मिट्टी खोद रहे थे। जब पीड़ित संजय प्रताप मौर्य ने इसका विरोध किया, तो नामजद आरोपियों ने एकजुट होकर लाठी–डंडों से लैस होकर उन पर हमला कर दिया। इस दौरान राममिलन ने कुल्हाड़ी के बट से प्रहार कर एक युवक सुशील मौर्य को गंभीर रूप से घायल कर दिया। हमले में साधुलाल, संजय मौर्य, अनिल और दीपक को भी काफी चोटें आईं थी। इस मामले में पुलिस ने आठ लोगों के विरुद्ध हत्या के प्रयास की धारा में प्राथमिकी दर्ज कर लिया था।पुलिस ने बताया कि घायलों का मेडिकल कराकर राम मिलन, राम सिलन समेत आठ लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास में प्राथमिकी दर्ज कर लिया गया था जिसमे दो आरोपी राम मिलन और राम सिलन को क्षेत्र के बनरहिया बाग से गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया गया।

पुलिस लाइन में एसपी ने लगाई अर्दली रूम, सुनीं समस्याएं

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने .रिजर्व पुलिस लाइन में साप्ताहिक रजिस्टर पेशी एवं अर्दली रूम का आयोजन कर पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने विभिन्न शाखाओं के रजिस्टरों का निरीक्षण करते हुए अभिलेखों को सुव्यवस्थित एवं अद्यतन रखने के निर्देश दिए। साथ ही कार्यालयी कार्यों के समयबद्ध और प्रभावी निष्पादन पर विशेष जोर दिया। अर्दली रूम के दौरान एसपी ने पुलिस कर्मियों की समस्याएं और प्रार्थना–पत्र गंभीरता से सुने। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी मामलों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि पुलिस कर्मियों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। बैठक में पुलिस कर्मियों के कल्याण से जुड़े मामलों और विभिन्न प्रशासनिक प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। समीक्षा के उपरांत एसपी ने आवश्यक दिशा–निर्देश जारी करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा में कार्य पूरा करने के आदेश दिए। इस अवसर पर प्रतिसार निरीक्षक सहित रिजर्व पुलिस लाइन के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

एनर्जी स्टेशन से नकदी चुराने वाला शातिर गिरफ्तार

फतेहपुर। असोथर थाना पुलिस ने लाल मोर्चा एनर्जी स्टेशन से नकदी चोरी की घटना का सफल खुलासा करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से चोरी की गई रकम में से 13200 रुपये बरामद किए गए हैं, जबकि उसने 190 रुपये खर्च करने की बात कबूल की है। पुलिस के अनुसार 13 जुलाई की रात थाना क्षेत्र स्थित लाल मोर्चा एनर्जी स्टेशन पर तैनात सेल्समैन सोनू उर्फ सुखदेव ड्यूटी के दौरान सो गया था। इसी दौरान चोर ने मैनेजर के केबिन के पीछे की खिड़की से डंडा डालकर चारपाई पर रखी उसकी पैंट अपनी ओर खींच ली और उसमें रखे 13390 रुपये चोरी कर फरार हो गया। पीड़ित की तहरीर पर थाना असोथर में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। एसपी अभिमन्यु मांगलिक के निर्देश पर चलाए जा रहे अपराधियों के खिलाफ अभियान के तहत थाना असोथर पुलिस ने प्रभावी सुरागरसी करते हुए सोनू सिंह पुत्र सरवन सिंह निवासी ग्राम सुजानपुर थाना असोथर को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने चोरी की वारदात स्वीकार कर ली। उसने बताया कि चोरी की रकम में से 190 रुपये खर्च कर दिए, जबकि शेष 13200 रुपये पुलिस ने उसके कब्जे से बरामद कर लिए। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में संबंधित धारा की बढ़ोत्तरी भी की गई। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक राकेश चंद्र शर्मा, कांस्टेबल राजवीर की टीम शामिल रही।

मगरमच्छ एवं बाढ़ से बचाव के लिए ग्रामीणों को किया गया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद में डीएम के निर्देशन में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) के संयुक्त तत्वावधान में आपदा ग्राम सनौली मोहम्मदपुर में राहत चौपाल का सफल आयोजन किया गया।कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्र में हाल के दिनों में सामने आ रही मगरमच्छ की घटनाओं तथा संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए ग्रामीणों को आवश्यक सुरक्षा उपायों एवं आपदा प्रबंधन संबंधी जानकारी प्रदान करना था।राहत चौपाल के दौरान एसडीआरएफ की टीम ने ग्रामीणों को मगरमच्छ दिखाई देने अथवा उसके हमले की आशंका होने पर अपनाई जाने वाली सावधानियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बताया गया कि नदी, तालाब एवं जलभराव वाले क्षेत्रों में अनावश्यक रूप से जाने से बचें, बच्चों को अकेले जल स्रोतों के पास न जाने दें तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल प्रशासन एवं संबंधित विभाग को सूचना दें। साथ ही ग्रामीणों से अपील की गई कि मगरमच्छ को पकड़ने या भगाने का प्रयास स्वयं न करें, बल्कि प्रशिक्षित टीम के पहुंचने तक सुरक्षित दूरी बनाए रखें।कार्यक्रम में बाढ़ के दौरान अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों पर भी विस्तार से चर्चा की गई।एसडीआरएफ के जवानों ने लोगों को सुरक्षित स्थानों पर समय रहते पहुंचने, आवश्यक दस्तावेज एवं दवाइयों को सुरक्षित रखने, प्रशासन द्वारा जारी दिशा–निर्देशों का पालन करने तथा अफवाहों से बचने की सलाह दी। इसके साथ ही आपदा के समय प्राथमिक उपचार, आपातकालीन संपर्क व्यवस्था तथा सामुदायिक सहयोग के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया।ग्रामीणों ने राहत चौपाल में सक्रिय सहभागिता करते हुए अपनी समस्याओं एवं जिज्ञासाओं को साझा किया, जिनका विशेषज्ञों द्वारा सरल एवं व्यावहारिक समाधान बताया गया।जिला प्रशासन ने आश्वस्त किया कि जनसुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा किसी भी आपदा की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए प्रशासन एवं एसडीआरएफ पूरी तरह तत्पर हैं। राहत चौपाल के माध्यम से लोगों में आपदा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ–साथ सुरक्षित एवं सतर्क रहने का महत्वपूर्ण संदेश दिया गया।

सिद्धपीठ बेरिया माता मंदिर के सौंदर्यीकरण की मांग तेज, श्रद्धालुओं के लिए सुविधाएं बढ़ाने की उठी आवाज

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। बहराइच–गोंडा मार्ग पर बेरिया गांव के निकट स्थित प्राचीन सिद्धपीठ बेरिया माता मंदिर के सौंदर्यीकरण एवं श्रद्धालुओं के लिए मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग तेज हो गई है। बहराइच नागरिक मंच समेत जिले के कई गणमान्य नागरिकों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सदर विधायक अनुपमा जायसवाल से मंदिर परिसर का समुचित विकास कराने की अपील की है। नागरिकों का कहना है कि शहर से लगभग छह किलोमीटर दूर स्थित यह सिद्धपीठ मंदिर क्षेत्र की प्रमुख आस्था स्थली है, जहां प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु दर्शन, अन्नप्राशन और मुंडन संस्कार के लिए पहुंचते हैं। वहीं चौत्र और शारदीय नवरात्रि के दौरान यहां हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। इसके बावजूद मंदिर परिसर में पेयजल, सार्वजनिक शौचालय, सफाई, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। परिसर में लगे हैंडपंप अक्सर खराब रहते हैं और उनके आसपास गंदगी फैली रहती है। महिलाओं के लिए शौचालय की व्यवस्था न होने से उन्हें विशेष कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। बहराइच नागरिक मंच ने मंदिर परिसर में वाटर कूलर, सार्वजनिक शौचालय, विश्राम गृह, भोजनालय, बच्चों के लिए झूले एवं खेल उपकरण, बेहतर प्रकाश व्यवस्था, नियमित सफाई व्यवस्था तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए स्थायी पुलिस चौकी स्थापित करने की मांग की है। मंच के अभिनय त्रिपाठी, सम्पूर्णानन्द बाजपेई ष्बागीष्, राजेश अवस्थी, जयसुखलाल मिश्र, अजय कुमार बाजपेई, सौरभ शुक्ला, विष्णु कुमार बाजपेई (अधिवक्ता), आनंद शुक्ला, मनोज बाजपेयी, हरि.ष्ण अवस्थी, आनंद मोहन प्रधान, पत्रकार गोपाल शर्मा, मोहम्मद बशीर अंसारी सहित अन्य नागरिकों ने बताया कि जल्द ही एक प्रतिनिधिमंडल सदर विधायक अनुपमा जायसवाल को ज्ञापन सौंपेगा तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पंजी.त डाक के माध्यम से ज्ञापन भेजकर सिद्धपीठ बेरिया माता मंदिर के समग्र विकास की मांग करेगा।

बहराइच में बाघ का खूनी आतंकरू घर में सो रहे बुजुर्ग पर हमला, अस्पताल ले जाते समय मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। बहराइच में जंगली जानवरों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। कोतवाली मूर्तिहा क्षेत्र के लोधनपुरवा गांव में देर रात एक खूंखार बाघ घर में घुस आया और सो रहे एक बुजुर्ग पर हमला कर दिया। बाघ बुजुर्ग को जबड़े में दबाकर ले जाने लगा। शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और हिम्मत दिखाते हुए बाघ को खदेड़ा, जिसके बाद वह बुजुर्ग को छोड़कर जंगल की ओर भाग गया। गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग को अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है। सूचना पर वन विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है।

हसुवापारा के शिवानंद तिवारी बने सब इंस्पेक्टर, गांव में खुशी की लहर

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच/पयागपुर। पयागपुर क्षेत्र के ग्राम हसुवापारा निवासी किसान आदित्य तिवारी के सुपुत्र शिवानंद तिवारी उर्फ दद्दू का उत्तर प्रदेश पुलिस में सब इंस्पेक्टर (दरोगा) पद पर चयन हुआ है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे गांव में खुशी का माहौल है। शिवानंद तिवारी शुरू से ही मेधावी, अनुशासित और शांत स्वभाव के छात्र रहे हैं। वह स्वर्गीय शेर बहादुर त्रिपाठी के पौत्र हैं, जो पेशे से सरकारी अध्यापक थे। परिवार का कहना है कि शिवानंद ने अपनी मेहनत, लगन और निरंतर अध्ययन के बल पर यह सफलता हासिल की है। सब इंस्पेक्टर पद पर चयन की सूचना मिलते ही परिजनों, रिश्तेदारों और ग्रामीणों ने उन्हें बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस उपलब्धि से परिवार गौरवान्वित है और गांव के युवाओं को भी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए नई प्रेरणा मिली है।

एक ही वर्ष में इंटर और नीट फतह,बिना कोचिंग शिवा ने दिया जीत की मिसाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद में प्रतिभाओं की कमी नहीं है बस लगन और विश्वास होना चाहिए जिसका उदाहरण है कि सीमित संसाधनों और बिना किसी कोचिंग के कठिन मानी जाने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) में सफलता हासिल कर मसकनवां कस्बे के होनहार शिवा गुप्ता ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। शिवा ने इसी वर्ष इंटरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण करने के साथ–साथ नीट में 616 अंक प्राप्त कर मेडिकल शिक्षा की राह प्रशस्त की है। मसकनवां बाजार के प्रतिष्ठित व्यवसायी परिवार से जुड़े शिवा गुप्ता,

स्वर्गीय प्रेम .ष्ण कसौधन के पौत्र तथा प्रशांत कुमार कसौधन के पुत्र हैं। एक ही वर्ष में इंटरमीडिएट और नीट जैसी चुनौतीपूर्ण परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर उन्होंने न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे गोंडा जनपद का गौरव बढ़ाया है। शिवा की इस उपलब्धि की सबसे खास बात यह रही कि उन्होंने बिना किसी कोचिंग संस्थान का सहारा लिए स्वयं के अध्ययन और अनुशासित तैयारी के बल पर यह मुकाम हासिल किया। उनकी सफलता से मसकनवां बाजार सहित पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल है और शुभकामनाएं देने वालों का तांता लगा हुआ है। अपनी सफलता का श्रेय शिवा ने माता–पिता, गुरुजनों तथा अपने दिवंगत बाबा स्वर्गीय प्रेम .ष्ण कसौधन को दिया। उन्होंने कहा कि बाबा हमेशा शिक्षा को जीवन की सबसे बड़ी पूंजी बताते थे और पढ़ाई के लिए निरंतर प्रेरित करते रहे। भले ही आज वे उनके बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी सीख और प्रेरणा ही इस सफलता की सबसे बड़ी ताकत बनी। शिवा गुप्ता की उपलब्धि उन विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बन गई है, जो कठिन परिश्रम, आत्मविश्वास और आत्म–अध्ययन के दम पर बड़े लक्ष्य हासिल करने का सपना देखते हैं।

नीट 2026 में चौधरी राम बिहारी बुद्ध इंटर कॉलेज के छात्र ने लहराया परचम

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। जिले के चौधरी राम बिहारी बुद्ध इंटर कॉलेज के पूर्व

छात्र सतीश कुमार, पुत्र विजय कुमार, ने नीट (छम्म्ज) 2026 परीक्षा में 575 अंक प्राप्त कर ऑल इंडिया रैंक 20,392 हासिल करते हुए विद्यालय एवं जनपद का नाम गौरवान्वित किया है। इस शानदार उपलब्धि के आधार पर सतीश कुमार को प्रदेश के एक प्रतिष्ठित सरकारी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस (डठठै) की पढ़ाई का अवसर प्राप्त हुआ है। उनकी इस सफलता से विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षकगण एवं समस्त स्टाफ ने सतीश कुमार को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी मेहनत, लगन और अनुशासन अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। विद्यालय परिवार ने विश्वास जताया कि सतीश कुमार भविष्य में एक कुशल एवं संवेदनशील चिकित्सक बनकर समाज की सेवा करेंगे और अपने माता–पिता, विद्यालय तथा जिले का नाम देशभर में रोशन करेंगे। यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि .ढ़ संकल्प, निरंतर परिश्रम और सही मार्गदर्शन से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है

मिशन शक्ति फेज–5 के तहत श्रावस्ती पुलिस ने चलाया व्यापक जागरूकता अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से श्रावस्ती पुलिस द्वारा मिशन शक्ति फेज–5 (द्वितीय चरण) के अंतर्गत जनपदभर में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक चंद्रकेश सिंह एवं समस्त क्षेत्राधिकारीगण के पर्यवेक्षण में शक्ति मोबाइल टीम ने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर चौपाल, संवाद और जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किए। इस दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके कानूनी अधिकारों, सुरक्षा उपायों तथा पुलिस सहायता सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी गई और उन्हें ष्शक्ति दीदीष् के रूप में निर्भीक होकर अपनी समस्याओं की सूचना पुलिस तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया गया। अभियान के दौरान साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में भी जागरूक किया गया। महिलाओं को सोशल मीडिया फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, संदिग्ध लिंक और फर्जी वेबसाइटों से सतर्क रहने की सलाह देते हुए ओटीपी, बैंक खाते की जानकारी और अन्य गोपनीय सूचनाएं किसी से साझा न करने की अपील की गई। किसी भी साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी भी दी गई। इसके अलावा महिला हेल्पलाइन सेवाओं, न्च्ब्ट ऐप, ब्ब्ज्छै प्रणाली, प्रत्येक थाने पर स्थापित मिशन शक्ति केंद्र एवं साइबर हेल्प डेस्क की उपयोगिता के बारे में जानकारी देकर जागरूकता सामग्री वितरित की गई। साथ ही शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए भी महिलाओं एवं बालिकाओं को प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं एवं बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और महिला सुरक्षा एवं साइबर सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं।

नीट में सफलता पर ज्ञान प्रकाश मिश्रा सम्मानित, डॉ. इश्तियाक अहमद ने किया अभिनंदन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। पचपेड़वा क्षेत्र के अचकवापुर निवासी ज्ञान प्रकाश

मिश्रा ने नीट–यूजी 2026 परीक्षा में 573 अंक प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। उन्होंने ऑल इंडिया स्तर पर करीब 19 हजारवीं रैंक प्राप्त कर परिवार, समाज और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। ज्ञान प्रकाश ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा सरकारी प्राथमिक विद्यालय से प्राप्त की। इसके बाद पचपेड़वा के सर सैय्यद स्कूल से कक्षा आठ तक तथा बलरामपुर के सिटी मॉन्टेसरी स्कूल से इंटरमीडिएट की पढ़ाई पूरी की। उनकी इस उपलब्धि पर गैसड़ी विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस नेता डॉ. इश्तियाक अहमद खान ने उन्हें माला पहनाकर सम्मानित किया और मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने ज्ञान प्रकाश की मेहनत, लगन और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सफलता युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। सम्मान समारोह में भाजपा नेता कामेश्वर मिश्रा उर्फ पप्पू, प्रधान अनुज मिश्रा, कलीम, केदार पांडेय, रामबिहारी, प्रधान नन्दकुमार पाण्डेय, संजू पाण्डे, पाठक जी मदराहिया सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

महिलाओं के गिरोह ने ज्वेलरी शॉप से उड़ाया सोने का जेवर, CCTV में कैद हुई पूरी वारदात

दैनिक बुद्ध का संदेश

बृजमनगंज/नौतनवां। महराजगंज जनपद के बृजमनगंज थाना क्षेत्र में स्थित एक ज्वेलरी शॉप पर महिलाओं के शातिर गिरोह ने बड़ी सफाई से सोने का आभूषण चोरी कर लिया। घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसका वीडियो सामने आने के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि कई महिलाएं ग्राहक बनकर दुकान पर पहुंचीं और दुकानदार को बातचीत में उलझाए रखा। इसी दौरान गिरोह की एक महिला ने मौका पाकर सोने का आभूषण चुपचाप अपने कब्जे में कर लिया। वारदात के बाद सभी महिलाएं बिना किसी शक के दुकान से निकल गईं। कुछ देर बाद जब दुकानदार ने आभूषण की जांच की तो चोरी का पता चला। सीसीटीवी फुटेज देखने पर पूरी घटना सामने आई, जिसमें महिलाओं की शातिराना हरकत स्पष्ट दिखाई दे रही है। सूचना मिलने पर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपित महिलाओं की पहचान कर उनकी तलाश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही पूरे गिरोह को गिरतार कर लिया जाएगा।

शिकायतकर्ताओं की शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से किया जाये सुनिश्चित:जिलाधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। शासन की मन्शा के अनुरूप जिले की चारों तहसीलों में जुलाई महीने के तृतीय शनिवार को ''सम्पूर्ण समाधान दिवस'' का आयोजन किया गया, सम्पूर्ण समाधान दिवस घोरावल में जिलाधिकारी चर्चित गौड़, पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा शिकायतकर्ताओं की शिकायतों को सुना गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में भूमि विवाद से सम्बन्धित प्राप्त हुए, मामलों को स्थलीय स्थिति की जॉच करते हुए टीम द्वारा प्रकरणों की स्थलीय जॉच कर निस्तारण कराने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारी को दिये। इस दौरान जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शिकायतों के निस्तारण के बाद शिकायतकर्ताओं का फीडबैक लेते हुए शिकायतों का निस्तारण किया जाये, जिससे कि शिकायतकर्ता को किसी प्रकार की समस्या न हो और उनके प्रकरण का निस्तारण समय से किया जा सके। उन्होने के कहा कि प्रत्येक प्रकरण को गम्भीरता से लेकर जॉच कर निस्तारण आख्या प्रस्तुत की जाये। सम्पूर्ण समाधान दिवस के मौके पर जिलाधिकारी चर्चित गौड़, पुलिस अधीक्षक अभिषेक वार्मा ने 158 शिकायतें सुनते हुए, मौके पर ही 06 मामलें निस्तारित किये गये और 06 टीम को क्षेत्र में भेजकर 06 प्रकरण को निस्तारित किया गया। इस प्रकार तहसील दिवस घोरावल में कुल 12 मामले निस्तारित हुए, बाकी 146 प्रकरणों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने के निर्देश सम्बन्धित को दिये गये। इस मौके पर तहसीलदार घोरावल, नायब तहसीलदार सहित अन्य

अधिकारीगण उपस्थित रहें। सम्पूर्ण समाधान दिवस रावर्टसगंज में उप जिलाधिकारी आशीष त्रिपाठी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ, इस मौके पर तहसील में आये शिकायतकर्ताओं की शिकायतों का निस्तारण किया गया, इस दौरान क्षेत्रों में भी टीम भेजकर प्रकरणों का निस्तारण कराया गया और सम्बन्धित को निर्देशित भी किया गया कि इसमें किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाये। अवशेष मामलों को गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस मौके 61 शिकायतें सुनते हुए, मौके पर ही 07 मामलें निस्तारित किये गये, इस प्रकार तहसील दिवस रावर्टसगंज में कुल 07 मामले निस्तारित हुए, बाकी 54 प्रकरणों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने के निर्देश सम्बन्धित को दिये गये। सम्पूर्ण समाधान दिवस ओबरा का आयोजन तहसीलदार एवं नायब तहसीदार की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ, इस मौके पर तहसील में शिकायतकर्ता के माध्यम से प्राप्त प्रार्थना–पत्रों का निस्तारण किया गया, इस मौके पर तहसीलदार ने 60 शिकायतों को सुनते हुए ,मौके पर ही 03 मामलें निस्तारित किये गये, इस प्रकार तहसील दिवस ओबरा में कुल 03 मामले निस्तारित हुए, बाकी 57 प्रकरणों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने के निर्देश सम्बन्धित को दिये गये। सम्पूर्ण समाधान दिवस दुद्धी का आयोजन उप जिलाधिकारी दुद्धी रवि पासवान के अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ, इस मौके पर तहसील दिवस में आये शिकायतकर्ताओं की शिकायतों का निस्तारण किया गया अवशेष मामलों को गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस मौके पर उप जिलाधिकारी दुद्धी रवि पासवान, तहसीलदार दुद्धी, सी0ओ0 दुद्धी व पिपरी आदि ने 65 शिकायतें सुनते हुए, मौके पर ही 03 मामलें निस्तारित किये गये और बाकी 62 प्रार्थना पत्रों को समयबद्ध और गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण के लिए निर्देश सम्बन्धित को दिये गये। चारों तहसीलों में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल शिकायतें–344 प्राप्त हुयी, जिसमें से 19शिकायतों का निस्तारण टीम भेजकर और मौके पर किया गया

जल संरक्षण के लिए लिया गया संकल्प

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। विकास खण्ड करमा सभागार में शनिवार

को भू जल सप्ताह के अंतर्गत जल संरक्षण करने के लिए खण्ड विकास अधिकारी गुरुशरन श्रीवास्तव की अध्यक्षता में जल संरक्षण के लिए संकल्प लिया गया। उन्होंने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि रोजमर्रा के घरेलू हर कार्यों में पानी का बचत करे। सार्वजनिक स्थानों में लगे नल एवं सार्वजनिक शौचालयों में पानी बहता हुआ न छोड़े। हैडपम्प ओर कुओं के पास बेकार पानी न बहने दें गंदा पानी पाइप के सहारे बोरिंग में जाकर स्वच्छ जल को प्रदूषित करता है। बागवानी की सिंचाई हेतु ड्रिप और स्प्रिंगलर विधि से सिंचाई करें। हर घर में स्टोरेज टैंक बनवाकर उसमें छत से बेकार पानी बह जाने वाले जल को इकठ्ठा करने की सलाह दी। उक्त अवसर पर सचिव सुनील कुमार, रोहित सिंह, ऋषि कुमार, अनूप कुमार सिंह, लघु सिंचाई विभाग के कर्मचारी समेत दर्जनों लोग मौजूद रहे।

जल संरक्षण का लें संकल्प, जल बचाना हम सबकी जिम्मेदारी: जिलाधिकारी चर्चित गौड़

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। घोरावल तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस

के अवसर पर जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने प्रदेश सरकार द्वारा 16 से 22 जुलाई तक आयोजित भूजल सप्ताह के अंतर्गत उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आमजन को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष की थीम जल संरक्षण का करें संकल्प, इसका नहीं है कोई विकल्प केवल एक संदेश नहीं, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने का संकल्प है। जिलाधिकारी ने कहा कि भूजल संरक्षण के लिए वर्षा जल संचयन, तालाबों एवं पारंपरिक जल स्रोतों का संरक्षण, जल का विवेकपूर्ण उपयोग तथा भूजल पुनर्भरण को जनआंदोलन का स्वरूप देना समय की आवश्यकता है। उन्होंने प्रत्येक नागरिक से जल की प्रत्येक बूंद का महत्व समझते हुए अपने घर, गांव और आसपास जल संरक्षण के उपाय अपनाने की अपील की। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नागरिकों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई तथा निर्देश दिए कि भूजल सप्ताह के दौरान जन–जागरूकता रैली, पौधरोपण, जल निकायों का संरक्षण, वर्षा जल संचयन तथा अन्य निर्धारित गतिविधियां पूरी सक्रियता के साथ आयोजित की जाएं। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी हेमंत कुमार सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रमेश कुमार मिश्रा, जिला विकास अधिकारी, जिला कार्यक्रम समन्वयक (मनरेगा), जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नेटवर्क विहीन क्षेत्रों में जल्द बजेगी मोबाइल की घंटी, सोनभद्र के 14 गांवों में लगेंगे बीएसएनएल के 4–जी टॉवर

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिले के दूरस्थ और नेटवर्क विहीन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए राहत भरी खबर है। भौगोलिक विषमताओं के कारण वर्षों से मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट की समस्या से जूझ रहे ग्रामीणों को जल्द ही बेहतर संचार सुविधा मिलने जा रही है। प्रदेश की योगी सरकार और जिला प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) रॉबर्ट्सगंज, घोरावल और दुद्धी तहसील के कुल 14 गांवों में 4–जी मोबाइल टॉवर स्थापित करेगा। इन टावरों के लगने से न केवल इन गांवों बल्कि आसपास के कई अन्य क्षेत्रों में भी मोबाइल नेटवर्क और हाई–स्पीड इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बताया कि सोनभद्र की भौगोलिक परिस्थितियों के चलते आज भी जिले के कई गांव मोबाइल नेटवर्क से पूरी

तरह वंचित हैं। कई स्थानों पर लोगों को फोन करने के लिए पहाड़ियों या ऊंचे स्थानों पर जाना पड़ता है, जबकि इंटरनेट सेवा भी अक्सर बाधित रहती है। इसका सीधा असर विद्यार्थियों की ऑनलाइन पढ़ाई, स्वास्थ्य सेवाओं, आपातकालीन सहायता, डिजिटल बैंकिंग और सरकारी योजनाओं के लाभ पर पड़ता है। उन्होंने बताया कि इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए बीएसएनएल अधिकारियों के साथ बैठक कर नेटवर्क विहीन क्षेत्रों का सर्वे कराया गया और प्राथमिकता के आधार पर गांवों का चयन किया गया। पहले चरण में रॉबर्ट्सगंज तहसील के नगवां, दरमा, मड़कुरी और सांडसोत, घोरावल तहसील के ढोलो, सपही, अमिलीपोखर, मूर्तिया और देवगढ़ तथा दुद्धी तहसील के डूमा, जौराही, गंगहर, शिशवा और पतखिरना गांवों में 4–जी मोबाइल टॉवर स्थापित किए जाएंगे। बीएसएनएल द्वारा टॉवर निर्माण का कार्य शीघ्र शुरू किया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि इन 14 गांवों में मोबाइल टॉवर स्थापित होने के बाद दूसरे चरण की योजना भी तैयार कर ली गई है। इसके तहत दुद्धी तहसील के सोढ़ो, बिच्छी, कोटा और जोरकहू तथा ओबरा तहसील के पकरी, झरिया, कंधौरा, भरमहोरी, कनेहरा और बैरपुर गांवों में भी मोबाइल टॉवर लगाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। प्रस्ताव को स्वी. ति मिलने के बाद बीएसएनएल इन गांवों में भी 4–जी नेटवर्क की सुविधा उपलब्ध कराएगा। इसके अतिरिक्त जुगैल क्षेत्र में भी मोबाइल नेटवर्क की समस्या दूर करने के लिए पिपरा, गरदा और जोरावना में नए मोबाइल टॉवर स्थापित किए जाने की तैयारी चल रही है। जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता जिले के अंतिम छोर तक डिजिटल कनेक्टिविटी पहुंचाना है, ताकि ग्रामीणों को संचार, शिक्षा, स्वास्थ्य, ई–गवर्नेंस और ऑनलाइन सेवाओं का लाभ आसानी से मिल सके। इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद सोनभद्र के सुदूर क्षेत्रों में रहने वाले हजारों लोगों को मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट की बेहतर सुविधा मिलेगी। इससे ग्रामीणों की दैनिक जीवनशैली आसान होने के साथ–साथ शिक्षा, व्यापार, डिजिटल भुगतान, सरकारी सेवाओं और आपातकालीन संचार व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

आरसेटी में 20 जुलाई से निःशुल्क शॉप कीपर प्रशिक्षण शुरू

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जनपद के ग्रामीण शिक्षित बेरोजगार युवक–युवतियों को स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षित एवं आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से अग्रणी बैंक इण्डियन बैंक द्वारा संचालित ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी), सोनभद्र में 20 जुलाई 2026 से श्शॉप कीपरश व्यवसायिक प्रशिक्षण (उद्यमिता विकास कार्यक्रम) का छह दिवसीय पूर्णतः निःशुल्क प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। आरसेटी के निदेशक विशाल खन्ना ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को दुकान संचालन, उद्यमिता विकास, व्यवसाय योजना (प्रोजेक्ट रिपोर्ट) तैयार करने, बैंक ऋण हेतु आवेदन प्रक्रिया तथा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत उपलब्ध सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी जाएगी, ताकि प्रशिक्षणार्थी स्वयं का रोजगार स्थापित कर सकें। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के ग्रामीण शिक्षित बेरोजगार युवक–युवतियां आवेदन कर सकते हैं। चयन में बीपीएल /म्ब्ब–2011 परिवारों के सदस्यों तथा दिव्यांगजनों को प्राथमिकता दी जाएगी। आरसेटी ने जनपद के इच्छुक अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में प्रशिक्षण का लाभ उठाएं। इच्छुक अभ्यर्थी कार्यालय में संपर्क कर आवेदन कर सकते हैं तथा साक्षात्कार के उपरांत निःशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं।

बाइकों की आमने–सामने भिड़ंत में दो घायल, सीएचसी में भर्ती

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। म्योरपुर थाना क्षेत्र के म्योरपुर–लीलासी मार्ग पर नवाटोला के भुक्कूपहरी के पास शुक्रवार रात करीब आठ बजे दो बाइकों की आमने–सामने हुई टक्कर में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) म्योरपुर ले गई, जहां डॉ. आराधना ने उनका उपचार शुरू किया। जानकारी के अनुसार, लौबंध गांव निवासी 20 वर्षीय0 अरविंद कुमार पुत्र फूलचंद रेणुकूट से ड्यूटी कर बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान भुक्कूपहरी के पास सामने से आ रहे जामपानी गांव के खेतारी टोला निवासी 25 वर्षीय अभिनेष पुत्र राजेश की बाइक से उनकी सीधी भिड़ंत हो गई।हादसे में दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं अभिनेष की बाइक पर सवार एक अन्य युवक दुर्घटना के बाद मौके से फरार हो गया। दोनों घायलों का सीएचसी में उपचार जारी है।

मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को किया गया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए 'पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा' के कुशल निर्देशन में जनपद में संचालित 'मिशन शक्ति 5.0 के द्वितीय चरण' के अंतर्गत व्यापक जनजागरूकता अभियान निरंतर चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 17.07.2026' को 'शिक्षा निकेतन इंटरमीडिएट कॉलेज, ओबरा' में 'ष्पुलिस की पाठशालाष' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 'क्षेत्राधिकारी ओबरा श्री प्रभात राय', 'प्रभारी निरीक्षक ओबरा', 'प्रभारी मिशन शक्ति केंद्र' तथा 'प्रभारी साइबर हेल्प थाना ओबरा' द्वारा छात्र–छात्राओं को विभिन्न

महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान छात्र–छात्राओं को 'मिशन शक्ति अभियान', 'महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण', 'गुड टच–बैड टच', 'साइबर अपराधों से बचाव', 'ऑनलाइन ठगी', 'फर्जी कॉल, लिंक एवं व्ज्च फ्रॉड', 'सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग', 'आपातकालीन हेल्पलाइन सेवाओं', 'पानी में डूबने की घटनाओं से बचाव', 'राहगीर योजना (ळववक 'उंतपजंद' बीमउम)' तथा अन्य जनहितकारी विषयों के संबंध में विस्तारपूर्वक जागरूक किया गया। अधिकारियों द्वारा छात्र–छात्राओं को बताया गया कि किसी भी प्रकार की आपात स्थिति, महिला उत्पीड़न अथवा साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल संबंधित हेल्पलाइन अथवा पुलिस से संपर्क करें। साथ ही उन्हें कानून के प्रति जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के अंत में छात्र–छात्राओं द्वारा पुलिस कार्यप्रणाली, साइबर सुरक्षा, महिला सुरक्षा एवं अन्य विषयों से संबंधित पूछे गए प्रश्नों का अधिकारियों द्वारा सरल एवं संतोषजनक उत्तर दिया गया। विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पुलिस द्वारा दी गई जानकारी को अपने दैनिक जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। सोनभद्र पुलिस द्वारा जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे महिलाओं, बालिकाओं एवं युवाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों एवं कानून संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराया जा सके।

जौहर यूनिवर्सिटी के मुद्दे पर सपाइयों का प्रदर्शन, सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जौहर यूनिवर्सिटी को लेकर समाजवादी पार्टी

अल्पसंख्यक सभा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपकर संबंधित आदेश को वापस लिए जाने की मांग की। इस दौरान सपाइयों ने कहा कि जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े फैसले पर पुनर्विचार किया जाए। ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने सरकार से आदेश निरस्त करने और मामले में उचित कार्रवाई की मांग की। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी अल्पसंख्यक सभा के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

20 जुलाई से चोपन में गूंजेगी श्रीराम कथा, विश्व शांति महायज्ञ की तैयारियां लगभग पूरी।

दैनिक बुद्ध का संदेश

चोपन/सोनभद्र। नगर के चोपन गांव स्थित मड़र माता मंदिर परिसर में 20 जुलाई 2026 से 27 जुलाई 2026 तक विश्व शांति महायज्ञ एवं श्रीराम कथा का भव्य आयोजन किया जाएगा। कथा का रसपान श्रद्धालुओं को परम पूज्य दिलीप महाराज जी के मुखारविंद से प्रतिदिन कराया जाएगा। आयोजन समिति के अनुसार प्रतिदिन सायं 5रू00 बजे से रात्रि 8रू00 बजे तक श्रीराम कथा का आयोजन होगा। वहीं 20 जुलाई को प्रातः 9रू00 बजे चोपन बैरियर से भव्य कलश एवं शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो नगर के विभिन्न मार्गों से होकर आयोजन स्थल तक पहुंचेगी। इस धार्मिक आयोजन के आयोजक धर्माचार्य शिवकुमार पहाड़ी बाबा हैं। कार्यक्रम के संरक्षक राजा मिश्रा, नागेश्वर गौड़, सुनील सिंह, श्यामा चरण गिरी, राजकुमार यादव एवं संतोष साहनी हैं। आयोजन की तैयारियों में नगर के अनेक गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु बढ़–चढ़कर सहयोग कर रहे हैं। आयोजन समिति ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर श्रीराम कथा का श्रवण करने तथा विश्व शांति महायज्ञ में सहभागिता निभाकर पुण्य लाभ प्राप्त करने की अपील की है।

खदान में हो रही अनियंत्रित ब्लास्टिंग विरोध प्रदर्शन कर कमनिष्ट कार्यकर्ताओं ने तहसीलदार को सौपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

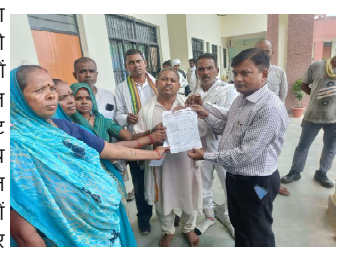

सोनभद्र। बिल्ली मारकुंडी खनन क्षेत्र के टोला खैरटिया के एक खदान में हो रही अनियंत्रित ब्लास्टिंग से घरों पर गिर रहे पत्थरों से नाराज दर्जनों ग्रामीणों ने कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ शनिवार को विरोध प्रदर्शन करते हुए तीन सूत्री मांगों के समर्थन में तहसीलदार को एक ज्ञापन सौंपा। इस दौरान ग्रामीणों ने खनन विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए खदान को निरस्त करने की मांग किया। दिए ज्ञापन में ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि

बस्ती के पास स्थित खदान में लगातार हो रही अनियंत्रित ब्लास्टिंग से उनके घरों पर पत्थर गिरने से पूरा परिवार दहशत में है। अभी कुछ दिन पूर्व गीता देवी के गाय की सींग के ऊपर ब्लास्टिंग का पत्थर गिरने से गाय की सींग टूट गई थी। वही खदान के पास ही प्राइमरी विद्यालय भी स्थित है इसलिए बच्चो का आना जाना लगा रहता है। कभी भी कोई बड़ी घटना होने से इनकार नहीं किया जा सकता। बार बार प्रशासन को जानकारी देने के बावजूद कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। जिससे ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ रहा है। इनकी मांगो में प्रमुख रूप से आबादी के पास हो रहे खनन पर तत्काल रोक लगाया जाए, खदान की आराजी संख्या एवं 26 पट्टीदारों का हिस्सा होने के कारण इसकी जांच कराया जाए तथा खदान पर कार्य कर रहे लोगों द्वारा आए दिन नशे में होकर महिलाओं को गाली गलौज रोक लगाई जाए। ज्ञापन सौंपने वालो में नंदलाल यादव, बाबूलाल भारती, सुरेश कोल, ईश्वर दयाल, शांती, मुन्नी, परमेश्वरी, राजकुमारी, गीता, अंजू, सरिता, देवकली, शिवकुमारी आदि लोग मौजूद रहे।

विश्व हिंदू परिषद का तीन दिवसीय आचार्य प्रशिक्षण वर्ग शुरू, 22 आचार्य ले रहे प्रशिक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। विश्व हिंदू परिषद सेवा विभाग, काशी प्रांत के तत्वावधान में गिरीवासी वनवासी सेवा प्रकल्प घोरावल एवं महर्षि वाल्मीकि सेवा संस्थान, नौगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय आचार्य प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ 17 जुलाई को हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रांत संगठन मंत्री नितिन, संयुक्त क्षेत्र सेवा प्रमुख (उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश) राधेश्याम द्विवेदी, प्रकल्प अध्यक्ष हिमांशु कुमार सिंह तथा मंत्री विद्या भूषण दुबे ने दीप प्रज्वलित कर किया। प्रशिक्षण वर्ग में तीन विद्यालयों एवं दो छात्रावासों के कुल 22 आचार्य एवं आचार्य बहनें प्रतिभाग कर रही हैं। यह प्रशिक्षण 12 सत्रों में आयोजित किया जा रहा है, जिसका समापन 19 जुलाई को सायं 4 बजे होगा। प्रशिक्षण के दौरान आचार्यों को भारतीय ज्ञान परंपरा, आध्यात्मिक चिंतन, शिक्षा में नवाचार तथा शिक्षा की गुणवत्ता और उन्नयन से जुड़े विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन दिया जा रहा है। शिविर का उद्देश्य आचार्यों के शैक्षिक एवं वैचारिक विकास के साथ सेवा कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाना है। विश्व हिंदू परिषद गिरीवासी वनवासी सेवा प्रकल्प के अध्यक्ष हिमांशु कुमार सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण वर्ग का समापन रविवार को होगा, जिसमें प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रमाणपत्र भी प्रदान किए जाएंगे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रकः– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

साई पल्लवी–जुनैद खान की फिल्म एक दिन ने ओटीटी पर दी दस्तक, अमेजन प्राइम वीडियो पर हुई स्ट्रीम

साई पल्लवी और जुनैद खान की फिल्म एक दिन डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दस्तक दे चुकी है। आमिर खान प्रोडक्शन द्वारा निर्मित और सुनील पांडे द्वारा निर्देशित यह एक रोमांटिक ड्रामा है, जो

1 मई को सिनेमाघरों में आई थी। इसने दुनियाभर में लगभग 5.08 करोड़ रुपये कमाए थे और बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह से फ्लॉप साबित हुई। साई की हिंदी डेब्यू फिल्म होने के बावजूद, इसे सिनेमाघरों में दर्शकों का अपेक्षित समर्थन नहीं मिल सका था। आमिर खान ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक दिन की ओटीटी रिलीज का ऐलान किया है। उन्होंने पोस्टर जारी करते हुए बताया कि फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध करा दी गई है। सब्सक्राइबर यूजर्स अपने परिवार के साथ इसका लुत्फ उठा सकते हैं। फिल्म की कहानी 2 युवाओं के इर्द–गिर्द बुनी गई है, जो प्यार में पड़कर अपनी जिंदगी का एक दिन साथ में बिताते हैं, लेकिन अप्रत्याशित मोड़ उन्हें मुश्किल में लाकर खड़ा कर देता है।

धमाल 4 का धमाकेदार प्रदर्शन 7वें दिन भी रहा जारी, अब 100 करोड़ी बनने को तैयार, अल्फा और वेलकम टू द जंगल का बुरा हाल

अजय देवगन की फिल्म धमाल 4 बॉक्स ऑफिस पर रिलीज के 7 दिन पूरे कर चुकी है। वीकेंड पर धमाकेदार प्रदर्शन करने के बाद, ये कारोबारी दिनों में भी ताबड़तोड़ कारोबार कर रही है और निर्माताओं की झोली को भरने में कोई कसर नहीं छोड़ रही। फिल्म भारत में अपनी कमाई से 100 करोड़ के क्लब में कदम रखने के लिए पूरी तरह तैयार है। वहीं विश्व स्तर पर इसने 132 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाई कर दिखाई है।

सैकनिल्क के मुताबिक, इसने रिलीज के 7वें दिन 6 करोड़ रुपये का नेट कारोबार किया है।

इससे पहले, फिल्म ने 6वें दिन 6.75 करोड़, 5वें दिन 9.50 करोड़ और चौथे दिन 8.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।

इस तरह धमाल 4 ने अब तक कुल 96 करोड़ रुपये का नेट कारोबार कर लिया और ये 100 करोड़ी बनने से बस एक कदम दूर है।

फिल्म में रितेश देशमुख, अरशद वारसी और जावेद जाफरी जैसे कलाकार भी मौजूद हैं।

आलिया भट्ट अभिनीत फिल्म अल्फा दूसरे ही सप्ताह में सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। इसने 14वें दिन भी 60 लाख रुपये कमाए और बॉक्स ऑफिस पर अब तक कुल 56.40 करोड़ रुपये का नेट कारोबार कर पाई है। बॉबी देओल और अनिल कपूर जैसे कलाकार होने के बावजूद फिल्म दर्शकों को लुभाने में नाकामयाब रही। दूसरी ओर, अक्षय कुमार की वेलकम टू द जंगल ने 21वें दिन महज 59 लाख कमाए। इसका कुल 131.85 करोड़ रुपये हुआ है।

दूरी से बढ़ती है प्यार की अहमियत, लेकिन साथ ही बढ़ सकता है शक भीः शहनाज गिल

अपनी मासूमियत और बेबाक अंदाज के लिए मशहूर अभिनेत्री शहनाज गिल इन दिनों अपनी आने वाली पंजाबी फिल्म इश्कनामा को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म की रिलीज से पहले शहनाज ने प्यार

और रिश्तों को लेकर अपनी सोच साझा की। उन्होंने कहा कि जब दो लोगों के बीच दूरी आती है, तो कई बार प्यार की अहमियत बढ़ जाती है और सामने वाले की मौजूदगी ज्यादा महसूस होने लगती है, लेकिन दूरी के साथ ही रिश्तों में कुछ सवाल और शक भी पैदा हो सकते हैं। उन्होंने कहा, जब दूरी होती है, तो प्यार की वैल्यू बढ़ जाती है। दूरी दिलों को और करीब ला देती है। इंसान को सामने वाले की अहमियत ज्यादा महसूस होने लगती है, लेकिन हांज् आपको यह नहीं पता होता कि दूसरा इंसान आपके पीछे क्या कर रहा है। इसलिए शक भी बढ़ सकता है। शहनाज ने आगे कहा, रिश्तों में प्यार और भरोसा सबसे ज्यादा जरूरी होता है। दूरी कई बार रिश्ते की गहराई को समझने का मौका देती है, लेकिन साथ ही यह भरोसे की परीक्षा भी बन सकती है।

फिल्म इश्कनामा एक सच्ची कहानी पर आधारित है, जो असल जिंदगी के प्रेमी जोड़े निम्मा और नसीमा की कहानी को दिखाती है। फिल्म की कहानी साल 1981 से 1988 के बीच भारत–पाकिस्तान सीमा के आसपास की पृष्ठभूमि पर आधारित है। यह एक पीरियड रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। शहनाज ने कहा कि प्यार का तरीका समय के साथ बदल सकता है, लेकिन उसकी भावना हमेशा वही रहती है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि चाहे प्यार का कोई भी तरह हो, लेकिन अगर उसमें सच्चा प्रेम है, तो वह जिंदगी भर साथ रहता है। प्यार आज का हो या पुराने समय का, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। प्यार को किसी एक दौर या तरीके से नहीं बांधा जा सकता। बता दें कि इश्कनामा का निर्देशन अरविंदर एस. खैरा ने किया है, जबकि फिल्म का निर्माण सौरभ राणा और रवनीत कौर चहल ने किया है। यह फिल्म किताब हिंद पाक बॉर्डरनामा से प्रेरित कहानी पर आधारित है। फिल्म में जय रंधावा, शहनाज गिल और सौरभ सचदेवा के साथ कई अन्य कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का संगीत मशहूर संगीतकार बी प्राक ने तैयार किया है, जबकि इसके गीतों के बोल जानी ने लिखे हैं। इश्कनामा भारत के साथ–साथ कनाडा और ब्रिटेन में 24 जुलाई को रिलीज होगी।

मास महाराजा रवि तेजा की फिल्म इरुमुडी का पहला सिंगल इरुमुडी कट्टू रिलीज

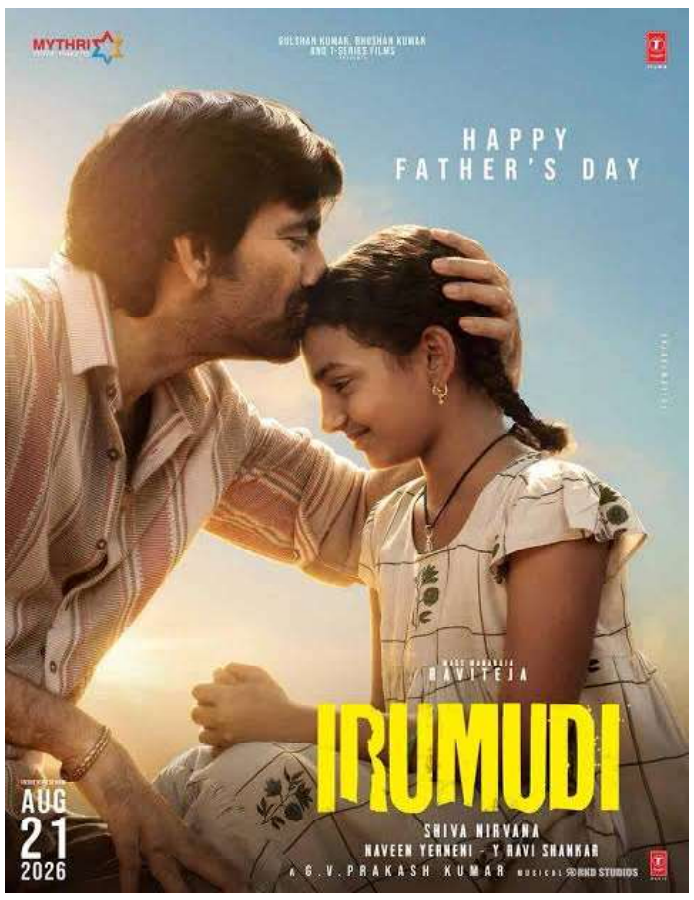

मास महाराजा रवि तेजा की बहुप्रतीक्षित भावुक पारिवारिक ड्रामा फिल्म इरुमुडी, जिसका निर्देशन शिव निर्वाणा ने किया है और निर्माण मैत्री मूवी मेकर्स ने किया है, ने अपने पहले सिंगल इरुमुडी कट्टू की रिलीज के साथ ही अपने संगीत प्रचार को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। अय्यप्पा भक्तों के साथ इसके गहरे जुड़ाव, फिल्म की पहली झलक को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया और संगीत निर्देशक जीवी प्रकाश कुमार के उत्कृष्ट संगीत के कारण इस गाने का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा था।

इरुमुडी कट्टू एक आध्यात्मिक रूप से उत्थानकारी भक्ति गीत है जो तुरंत ही मन पर अमिट छाप छोड़ता है। जीवी प्रकाश कुमार ने एक शक्तिशाली और आध्यात्मिक रूप से आवेशित रचना प्रस्तुत की है जो भगवान अय्यप्पा से जुड़ी आस्था, अनुशासन और भक्ति को खूबसूरती से दर्शाती है। पारंपरिक सार को समाहित करते हुए, यह गीत शुरू से अंत तक रोंगटे खड़े कर देने वाला अनुभव प्रदान करता है।

गीत को और भी गहराई प्रदान करते हुए, निर्देशक शिव निर्वाणा ने कल्याण चक्रवर्ती के साथ मिलकर इसके बोल लिखे हैं। उनके शब्द मंडल दीक्षा लेने के बाद अय्यप्पा भक्त की पवित्र यात्रा का जीवंत चित्रण करते हैं, जिसमें इरुमुडी धारण करने और सबरीमाला की तीर्थयात्रा करने के महत्व पर प्रकाश डाला गया है। नायक के दृष्टिकोण से, गीत आध्यात्मिक परिवर्तन, अनुशासन और अय्यप्पा माला धारण करने तथा पवित्र दीक्षा पूर्ण करने के पीछे के सच्चे अर्थ की अनुभूति को दर्शाते हैं। अनंतू की सशक्त आवाज भक्ति की तीव्रता को और भी बढ़ाती है, हर पंक्ति में ईमानदारी और आध्यात्मिक उत्साह भर देती है।

रवि तेजा ने अपने सबसे प्रामाणिक और भावपूर्ण प्रदर्शनों में से एक दिया है, जिसमें उन्होंने पवित्र माला धारण करते हुए अय्यप्पा भक्त की भक्ति, ऊर्जा और दृढ़ विश्वास को पूरी तरह से साकार किया है। उनकी समर्पित उपस्थिति दृश्यों को गीत जितना ही प्रभावशाली बनाती है। कोरियोग्राफर बाबा भास्कर ने पारंपरिक नृत्यों के साथ इस अनुभव को और भी बेहतर बनाया है, जो गीत की भक्तिमय लय और भावनात्मक तीव्रता को बखूबी पूरक करते हैं।

इस गीत में प्रिया भवानी शंकर और बेबी नक्षत्रा की मार्मिक झलकियाँ भी दिखाई देती हैं, जो फिल्म में रवि तेजा की पत्नी और बेटी की भूमिका निभा रही हैं, जिससे आध्यात्मिक यात्रा में भावनात्मक गर्माहट का संचार होता है। कुल मिलाकर, इरुमुडी कट्टू एक भावपूर्ण भक्तिमय अनुभव है जो तुरंत एक आध्यात्मिक जुड़ाव पैदा करता है, और इरुमुडी द्वारा पेश की जाने वाली भावपूर्ण यात्रा की नींव रखता है। साई कुमार, अजय घोष, रमेश इंदिरा और स्वासिका महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आते हैं। मिथ्री मूवी मेकर्स के भव्य समर्थन और नवीन येरनेनी एवं वाई. रवि शंकर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में तकनीकी प्रतिभा का बेहतरीन संगम देखने को मिलता है। विष्णु शर्मा छायांकन का जिम्मा संभालते हैं, साही सुरेश प्रोडक्शन डिजाइनर हैं, प्रवीण पुडी संपादन का काम देखते हैं, वहीं जीवी प्रकाश कुमार ने अपने संगीत के जरिए फिल्म की सबसे बड़ी खूबियों में से एक को जन्म दिया है।

इरुमुडी 21 अगस्त को भव्य विश्वव्यापी सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

प्राकृतिक और जैविक स्किन केयर उत्पादों का उपयोग करने से मिल सकते हैं ये फायदे

आजकल बाजार में प्राकृतिक और जैविक स्किन केयर उत्पादों की भरमार है। ये उत्पाद न केवल त्वचा की देखभाल करते हैं, बल्कि पर्यावरण के लिए भी अच्छे होते हैं। इनका उपयोग करने से त्वचा को प्राकृतिक पोषण मिलता है और हानिकारक रसायनों से बचाव होता है। इस लेख में हम जानेंगे कि प्राकृतिक और जैविक स्किन केयर उत्पादों का उपयोग कैसे फायदेमंद हो सकता है और इन्हें अपनी दिनचर्या में कैसे शामिल किया जा सकता है।

रसायनों से मुक्त होते हैं

प्राकृतिक और जैविक स्किन केयर उत्पादों में हानिकारक रसायनों की मात्रा बहुत कम होती है या बिलकुल नहीं होती। इससे आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचने का खतरा नहीं रहता। रसायनों वाले उत्पादों से त्वचा पर जलन, खुजली या एलर्जी हो सकती है। इसलिए प्राकृतिक और जैविक उत्पादों का चयन करना बेहतर होता है। ये उत्पाद आपकी त्वचा को प्राकृतिक रूप से पोषण देते हैं और उसे स्वस्थ बनाए रखते हैं, जिससे आपकी त्वचा चमकदार और निखरी हुई दिखती है।

पर्यावरण के लिए अनुकूलः प्राकृतिक और जैविक स्किन केयर उत्पाद पर्यावरण के लिए भी अच्छे होते हैं। इनमें किसी भी प्रकार के हानिकारक रसायन का उपयोग नहीं किया जाता, जिससे पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचता।

इसके अलावा इन उत्पादों के निर्माण में प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग किया जाता है, जो पर्यावरण की सुरक्षा में मदद करता है।

ये उत्पाद आसानी से प्रकृति में घुल जाते हैं और इनके अपशिष्टों को प्रकृति द्वारा आसानी से अवशोषित किया जा सकता है।

त्वचा को प्राकृतिक पोषण

प्राकृतिक और जैविक स्किन केयर उत्पाद आपकी त्वचा को प्राकृतिक पोषण प्रदान करते हैं।

इनमें विटामिन्स, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे गुण होते हैं, जो त्वचा को स्वस्थ रखते हैं। इन उत्पादों का नियमित उपयोग करने से आपकी त्वचा की चमक बढ़ती है और वह निखरी हुई दिखती है।

इसके अलावा ये उत्पाद त्वचा की प्राकृतिक नमी को बनाए रखते हैं, जिससे आपकी त्वचा मुलायम और चमकदार दिखती है।

संवेदनशील त्वचा के लिए सुरक्षित

संवेदनशील त्वचा वालों के लिए प्राकृतिक और जैविक स्किन केयर उत्पाद सबसे अच्छा विकल्प होते हैं। इनमें किसी भी प्रकार के हानिकारक रसायन नहीं होते, जिससे संवेदनशील त्वचा पर जलन या खुजली नहीं होती।

इन उत्पादों का उपयोग करने से संवेदनशील त्वचा को ठंडक मिलती है और वह स्वस्थ रहती है। प्राकृतिक तत्वों से भरपूर ये उत्पाद त्वचा की प्राकृतिक नमी को बनाए रखते हैं, जिससे आपकी त्वचा मुलायम और चमकदार दिखती है।

लंबे समय तक प्रभावी

प्राकृतिक और जैविक स्किन केयर उत्पाद लंबे समय तक प्रभावी रहते हैं। इनके उपयोग से आपको तुरंत परिणाम मिलते हैं, जो आपकी त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाते हैं।

इन उत्पादों का नियमित उपयोग करने से आपकी त्वचा की सेहत में सुधार होता है और वह निखरी हुई दिखती है। प्राकृतिक तत्वों से भरपूर ये उत्पाद त्वचा को गहराई से पोषण देते हैं, जिससे आपकी त्वचा मुलायम और चमकदार दिखती है।